जीवन दर्शन

उस व्यक्ति को आलोचना करने का अधिकार है जो सहायता करने की भावना रखता है
- अब्राहम लिंकन

दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

LOCAL TO GLOBAL

महानगर संस्करण

www.globalherald.news

रविवार 26 अप्रैल, 2026 ■ वर्ष 15 ■ अंक 75 ■ इंदौर-भोपाल से प्रकाशित ■ पेज 8 ■ मूल्य रु 2.00

वैभव का शतक बेकार, अभिषेक-ईशान के तूफान ने राजस्थान का किया...

पृष्ठ 8 पर

अमेरिकी अधिकारियों से बिना मिले लौटे ईरानी विदेश मंत्री, पाक पीएम और आर्मी चीफ को शर्तें सौंपी

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी ■

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची शनिवार शाम इस्लामाबाद से अमेरिकी अधिकारियों से बिना मिले ही लौट गए। उन्होंने अपने दौरे के दौरान पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, आर्मी चीफ आसिम मुनीर और अन्य अधिकारियों से मुलाकात की। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अराघची ने पाकिस्तान को ईरान की शर्तें और अमेरिकी मांगों पर अपनी आपत्तियां भी सौंप दी हैं। ईरान ने अमेरिका से सीधे बातचीत करने से इनकार कर दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघेई ने कहा कि ईरान अपनी बात पाकिस्तान के जरिए ही अमेरिका तक पहुंचाएगा।

इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने दूत स्टीव विटकॉफ और दामाद जेरेड कुशनर का पाकिस्तान दौरा रद्द कर दिया। ये दोनों ईरान से बातचीत के लिए इस्लामाबाद जाने वाले थे। फॉक्स न्यूज से बातचीत में ट्रम्प ने कहा कि अगर ईरान बातचीत करना चाहता है, तो वह

खुद अमेरिका से संपर्क कर सकता है। पाकिस्तान की मध्यस्थता में ईरान और अमेरिका के बीच 11-12 अप्रैल को इस्लामाबाद में पहले दौर की बातचीत हुई थी। 21 घंटे तक यह वार्ता चलने के बावजूद नाकाम हो गई थी। दोनों के बीच होर्मुज स्ट्रेट पर कंट्रोल और न्यूक्लियर प्रोग्राम को लेकर सहमति नहीं बन पाई थी। अमेरिका चाहता है कि यहां से जहाजों की आवाजाही पूरी तरह खुली और सुरक्षित रहे, ताकि तेल सप्लाई में रुकावट न हो।

इजराइल ने हिजबुल्लाह के संदिग्ध ड्रोन को मार गिराया

इजराइल ने कहा है कि उसने वेस्टर्न गलीली इलाके में हिजबुल्लाह के एक संदिग्ध ड्रोन को मार गिराया है। इस दौरान इलाके में सायरन बजाए गए। इजराइली सेना के मुताबिक, एयर डिफेंस सिस्टम ने ड्रोन को हवा में ही नष्ट कर दिया। इस घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। इजराइल ने इसे हिजबुल्लाह की ओर से सीजफायर समझौते का उल्लंघन बताया है।

ईरान बोला- अमेरिकी नाकेबंदी जारी रही तो करारा जवाब देंगे

ईरान ने अमेरिका को चेतावनी दी है कि अगर उसके बंदरगाहों की नाकेबंदी जारी रही तो वह करारा जवाब देगा। ईरान के खातम अल-अनबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर ने कहा कि देश की सेना पहले से ज्यादा मजबूत और तैयार है और वह अपनी संप्रभुता, क्षेत्र और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह सक्षम है। सैन्य कमान ने कहा कि इस थोपी गई जंग के दौरान देश ने अपनी ताकत और आक्रामक क्षमता का प्रदर्शन किया है। साथ ही ईरान ने यह भी कहा कि वह क्षेत्र में दुश्मनों की गतिविधियों पर नजर रख रहा है और रणनीतिक रूप से अहम स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को नियंत्रित कर रहा है।

सिंधिया का एलानः एमपी में 2,500 करोड़ रुपये का डिफेंस प्लांट होगा स्थापित

भोपाल/शिवपुरी ■

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शनिवार को मध्य प्रदेश के शिवपुरी के कोलारस नगर के लिए बड़े औद्योगिक विकास की घोषणा की। उन्होंने 2,500 करोड़ रुपये के रक्षा निर्माण संयंत्र (डिफेंस प्लांट) की स्थापना के साथ-साथ क्षेत्र के विकास को गति देने के लिए कई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का शुभारंभ किया। शिवपुरी-कोलारस दौरे के पहले दिन एक जनसभा को संबोधित करते हुए सिंधिया ने कहा कि प्रस्तावित रक्षा संयंत्र अगले दो महीनों के भीतर स्थापित किया जाएगा।

सिंधिया ने कहा कि कोलारस को 2,500 करोड़ रुपये का रक्षा प्लांट मिलेगा, जो क्षेत्र के औद्योगिक परिदृश्य को बदल देगा और लगभग दो दशकों से लंबित मांग को पूरा करेगा। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि यह संयंत्र कोलारस से लगभग 15 किलोमीटर दूर कोटा हाईवे और मुंबई-ग्वालियर हाईवे के जंक्शन पर स्थापित किया जाएगा, जिसे उन्होंने कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक्स के लिहाज से रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्थान बताया। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से लगभग 2,000 प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को बड़ा लाभ मिलेगा। परियोजना के व्यापक प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए सिंधिया ने कहा कि कोलारस, जो अब तक मुख्य रूप से कृषि, खासकर टमाटर उत्पादन के लिए जाना जाता था, अब देश के रक्षा निर्माण क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनने की ओर अग्रसर है।

उद्यमियों के लिए नए अवसर पैदा

उन्होंने कहा कि कोलारस लंबे समय से अपनी कृषि क्षमता के लिए जाना जाता रहा है, लेकिन अब यह देश की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने में भी योगदान देगा। यहां निर्मित उपकरण हमारी सीमाओं की सुरक्षा में अहम भूमिका निभाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि इस निवेश से सहायक उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा और क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियां बढ़ेंगी, जिससे स्थानीय व्यापारियों और उद्यमियों के लिए नए अवसर पैदा होंगे। यह परियोजना गुणक प्रभाव (मल्टीप्लायर इफेक्ट) पैदा करेगी, जिससे आगे औद्योगिक विकास और आर्थिक विस्तार को बढ़ावा मिलेगा।

न्यूज ब्रीफ

केदारनाथ धाम के कपाट खुलते चारधाम में उमड़ा आस्था का सैलाब

देहरादूनः केदारनाथ धाम के कपाट खुलने के साथ ही चारधाम यात्रा ने रफ्तार पकड़ ली है। केदारनाथ धाम में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ रहा है। जहां राज्य सरकार द्वारा यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं, ताकि श्रद्धालु सुगम और सुरक्षित दर्शन कर सकें। केदार सभा के अध्यक्ष राजकुमार तिवारी ने कहा कि केदारनाथ जी के कपाट खुले हुए तीसरा दिन है। साथ ही भगवान भैरवनाथ जी के कपाट भी खुल गए हैं। उन्होंने बताया अब तक करीब 1 लाख 10 हजार लोगों ने भगवान श्री केदारनाथ के दर्शन कर लिए हैं। वर्तमान समय में केदारनाथ धाम में व्यवस्थाएं बिल्कुल ठीक हैं। प्रत्येक श्रद्धालु को दर्शन का लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि कुछ अराजक तत्व द्वारा धाम को बदनाम किया जाना बेहद निंदनीय है। केदार सभा के वरिष्ठ सदस्य उमेश चंद्र पोस्ती ने कहा कि बीकेटीसी एवं जिला प्रशासन के नेतृत्व में अब तक करीब 1 लाख 10 हजार लोगों ने बाबा केदार के दर्शन कर लिए हैं। उन्होंने कहा सोशल मीडिया के माध्यम से कई लोग असत्य और भ्रामक खबरें फैला रहे हैं।

पुरुष धोती-कुर्ता तो महिलाएं साड़ी या सूट पहन करें रामलाल के दर्शन

अयोध्या। भीषण गर्मी और बढ़ती श्रद्धालु संख्या के बीच राम मंदिर अयोध्या में दर्शन व्यवस्था को ज्यादा सुगम बनाने के लिए ट्रस्ट ने नई एडवाइजरी जारी की है। ऑनलाइन दर्शन पास बुकिंग के फॉर्मेट में बदलाव किया गया है, जबकि समग्र व्यवस्था पहले की तरह जारी रहेगी। इसके साथ ही श्रद्धालुओं से भारतीय परिधान में दर्शन करने की अपील की गई है। गर्मी के कारण दर्शन के समय और भीड़ के पैटर्न में भी बदलाव किया गया है, जिसे ध्यान में रखते हुए प्रशासन और ट्रस्ट दोनों स्तर पर व्यवस्थाएं लगातार अपडेट की जा रही हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मंदिर ट्रस्ट ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे भारतीय परिधान में मंदिर में प्रवेश करें। पुरुषों के लिए धोती-कुर्ता या धोती-पजामा और महिलाओं के लिए साड़ी, पंजाबी ड्रेस या चूड़ीदार-दुपट्टा पहनने की सलाह दी गई है। इसे अनिवार्य नहीं किया गया है, लेकिन ट्रस्ट ने इसे धार्मिक और सांस्कृतिक मयार्दा के अनुरूप बताया है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की वेबसाइट पर दर्शन पास बुकिंग के फॉर्मेट में बदलाव किया गया है।

अक्षय कुमार की बेटी से न्यूड फोटो मांगने वाला आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। महाराष्ट्र साइबर डिपार्टमेंट ने बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार की बेटी नितारा से जुड़े साइबर हैरसमेंट मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक यशस्वी यादव ने भी इस मामले में गिरफ्तारी की पुष्टि की है। बच्चों को साइबर क्राइम के प्रति जागरूक करने के लिए महाराष्ट्र साइबर डिपार्टमेंट ने मुंबई के आर.डी. नेशनल कॉलेज में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। इस सेशन में सभी स्टूडेंट्स को डिजिटल दुनिया के खतरों के प्रति सतर्क रहने की सीख दी गई।

दिल्ली से इंदौर आ रही उड़ान निरस्त

तकनीकी खराबी के बाद गर्मी में एसी के बगैर बैठे रहे यात्री

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

शनिवार को दिल्ली से इंदौर आने के लिए एयर इंडिया की फ्लाइट में सवार हुए यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। वे एक घंटे तक विमान में एसी के बिना बैठे रहे। विमान रनवे पर था, लेकिन तकनीकी खराबी के कारण उड़ान नहीं भर सका।

बाद में विमान को रनवे से टर्मिनल तक लाया गया और उड़ान निरस्त करने की घोषणा के बाद यात्रियों को फिर एयरपोर्ट लाउंज में भेजा गया। अचानक उड़ान निरस्त होने से नाराज यात्रियों ने एयरपोर्ट पर हंगामा कर दिया और नारेबाजी कर अपना विरोध दर्ज कराया। एयर इंडिया की उड़ान रोज सुबह 12:10 बजे दिल्ली से इंदौर के लिए रवाना होती है। इंदौर आने के लिए यात्री विमान में सवार हो गए, लेकिन तकनीकी खराबी के कारण विमान उड़ान नहीं भर सका। यह विमान दोपहर डेढ़ बजे इंदौर आता है। यात्री विमान में बिना एसी के बैठे रहे। कुछ यात्रियों की इस कारण तबीयत भी खराब हो गई, क्योंकि दिल्ली में काफी गर्मी है। काफी समय तक

विमान रनवे पर ही खड़ा रहा। इंजीनियरों ने विमान की जांच की और उसे उड़ान भरने के लिए अयोग्य माना। इसके बाद एयर होस्टेस ने यात्रियों से कहा कि विमान इंदौर के लिए उड़ान नहीं भर सकता, इसलिए यह उड़ान निरस्त की जा रही है। इसके बाद विमान में सवार यात्रियों ने हंगामा कर दिया। इस बीच विमान को रनवे से टर्मिनल तक लाया गया और यात्रियों को विमान से उतारा गया। एयरपोर्ट पर यात्री एकजुट हो गए और एयर इंडिया प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी की और टिकट के पैसे रिफंड देने की मांग की। एयर इंडिया के कर्मचारी यात्रियों का गुस्सा शांत करने की कोशिश करते रहे। कुछ यात्रियों ने सोशल मीडिया पर संदेश कर भी अपनी भड़ास निकाली।

भाजपा अध्यक्ष नवीन की टीम में 33% महिलाएं होंगी

नई दिल्ली ■

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की टीम में अब 33% महिला पदाधिकारी शामिल होंगी। यह फॉर्मूला संसदीय बोर्ड से लेकर सचिव स्तर तक लागू होगा। राज्यों में भी यही व्यवस्था अपनाई जाएगी। संगठन महासचिव की निगरानी में इसे लागू करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

संसद में नारी वंदन विधेयक पास न होने के बाद भाजपा ने अन्य दलों को महिला विरोधी बताने का रुख अपनाया है। ऐसे में संगठन के भीतर महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना जरूरी माना जा रहा है। फिलहाल संसदीय बोर्ड में

सिर्फ एक महिला सदस्य है। महासचिव स्तर पर कोई महिला नहीं है, जबकि उपाध्यक्ष और सचिव पदों पर भी संख्या कम है। राष्ट्रीय कार्यकारिणी में महिलाओं की हिस्सेदारी 10% से भी कम है। तय फॉर्मूले के मुताबिक, 12 सदस्यीय संसदीय बोर्ड में 4 महिलाएं होंगी। 7 महासचिव पदों में से 2, 12 उपाध्यक्ष पदों में से 4 और 11 राष्ट्रीय सचिव पदों में से 3 महिलाओं को दिए जाएंगे।

एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026 जारी

टॉप 40 में कोई भारतीय यूनिवर्सिटी नहीं, टॉप 100 में सिर्फ IISc बेंगलुरु

नई दिल्ली ■

'टाइम्स हायर एजुकेशन' की एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026 में सबसे ज्यादा यूनिवर्सिटीज भारतीय हैं। रैंकिंग में शामिल कुल 929 यूनिवर्सिटीज में से 128 भारतीय हैं, जो कि सबसे ज?यादा हैं। हालांकि, टॉप 10 लिस?ट में चीन की 5 यूनिवर्सिटी शामिल है जबकि भारत की कोई भी यूनिवर्सिटी टॉप 40 में भी जगह नहीं बना पाई है।

रैंकिंग के मुताबिक, एशिया की टॉप 10 यूनिवर्सिटीज में एक बार फिर चीन ने अपना दबदबा कायम रखा है। पहले और दूसरे नंबर पर चाइनीज यूनिवर्सिटीज हैं और टॉप 10 में भी 5

चाइनीज यूनिवर्सिटीज शामिल है। इस रैंकिंग में सिंघुआ यूनिवर्सिटी लगातार 8वें साल भी टॉप पर बना हुआ है। पेकिंग यूनिवर्सिटी भी दूसरे नंबर पर बरकरार है। इसके अलावा सिंगापुर और हांगकांग की भी दो-दो यूनिवर्सिटीज लिस्ट में शामिल है। वहीं जापान की एक यूनिवर्सिटी ने भी लिस्ट में अपनी जगह बनाई हुई है। रैंकिंग लिस्ट में इंडिया 128 इंस्टीट्यूट्स और यूनिवर्सिटीज के साथ मोस्ट रिप्रेजेंटेड नेशन है।

आरएसएस प्रमुख भागवत बोले- भारत विश्वगुरु जरूर बनेगा, कोई संदेह नहीं...

राम मंदिर बनने को लेकर भी लोग शक करते थे, वैसे ही यह भी अब तय है

नागपुर ■

राष्ट्रीय स्वयं सेवक (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने कहा है कि भारत निश्चित रूप से विश्वगुरु बनेगा और इस पर किसी को संदेह नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक समय था, जब लोग अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर के निर्माण को लेकर संशय में रहते थे। इसे असंभव मानते थे।

लेकिन आज वह मंदिर सबके सामने साक्षात खड़ा है। ठीक उसी प्रकार, भारत का विश्वगुरु के रूप में पुनरुत्थान भी पूरी तरह निश्चित है और इस यात्रा को रोका नहीं जा सकता। भागवत ने यह बात नागपुर में नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट परिसर में बनने

वाले भारत दुर्गा शक्ति स्थल मंदिर के भूमि पूजन कार्यक्रम में कही। इस मौके पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज, स्वामी मित्रानंदजी महाराज, साध्वी ऋतंभरा और धीरेन्द्र शास्त्री सहित कई धार्मिक नेता भी मौजूद थे।

भारत के भविष्य पर संदेह न करें- भागवत

आरएसएस चीफ ने कहा- देश के भविष्य को लेकर कोई संदेह न रखें और साहस व आत्मनिर्भरता के साथ जीवन जीएं। उनके मुताबिक, अगर लोग अपने संकल्प के अनुसार कदम-दर-कदम आगे बढ़ें, तो भारत मजबूत और नैतिक रूप से सशक्त बनेगा। उन्होंने कहा कि भारत के विश्वगुरु बनने का सपना निरंतर प्रयासों और सामूहिक अनुशासन के माध्यम से साकार होगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस तरह का परिवर्तन वर्तमान पीढ़ी में देखा जा सकता है। उन्होंने कहा- भारत के भविष्य पर संदेह न करें।

भारत का कुख्यात ड्रग डॉन सलीम तुर्किए में गिरफ्तार

तुर्किए की सुरक्षा एजेंसियों ने अंतरराष्ट्रीय ड्रग नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए इस्तांबुल में भारत के कुख्यात ड्रग माफिया सलीम डोला को गिरफ्तार कर लिया है. भारत की सुरक्षा एजेंसियों ने भी सलीम डोला की गिरफ्तारी की आधिकारिक रूप से पुष्टि कर दी है. वहीं, सलीम डोला की गिरफ्तारी के साथ अंडरवर्ल्ड के साथ उसके संबंधों को लेकर भी बड़े खुलासे हुए हैं. बताया जा रहा है कि वह लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी के नेटवर्क को ऑपरेट कर रहा था. सूत्रों के मुताबिक, सलीम डोला का कनेक्शन ग्लोबल सिंथेटिक ड्रग नेटवर्क से था और उसका नेटवर्क कई देशों तक फैला हुआ था.

व्यंग्य : सांसदों में कमजोर जोड़ : टूटी केजरीवाल की 'वाल'..!

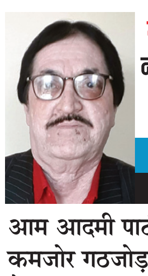

ग्लोबल हेराल्ड न्यूज एनालिसिस GHNA

दिलीप शर्मा (वरिष्ठ पत्रकार)

आम आदमी पार्टी के सांसदों में कमजोर गठजोड़ का ही नतीजा है कि पार्टी संयोजक अरविन्द केजरीवाल की ' वाल ' टूट गई.पार्टी के 10 में से 7 राज्यसभा सांसदों के एक साथ बीजेपी में शामिल होने पर जहां मोदी सरकार उच्च सदन में मजबूत हुई है वहीं कांग्रेस सांसद व नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का भी टेंशन में आना स्वाभाविक है, क्योंकि विरोधी एक पार्टी का साथ छूट गया..!

मोदी विरोधी केजरीवाल के सांसदों ने मोदी को दी कितनी मजबूती..?

आम आदमी पार्टी के 10 में से 7 राज्यसभा सांसदों के बीजेपी में शामिल होने से सदन का नंबर गेम पूरी तरह बदल जाएगा.इन सांसदों में राघव चड्ढा, स्वाति मालीवाल आदि हैं सभी के बीजेपी में शामिल होने से पार्टी राज्यसभा में बहुमत के करीब पहुंच जाएगी. यह बदलाव दल-बदल विरोधी कानून दसवीं अनुसूची के तहत दो-तिहाई बहुमत की शर्त को पूरा करता है, इसलिए इन सांसदों पर कोई अयोग्यता लागू नहीं होगी,यानी कि अब बीजेपी के मौजूदा राज्यसभा सांसदों की संख्या में सीधे-सीधे 7 सांसदों का इजाफा हो जाएगा. ऐसे में बीजेपी के लिए राज्यसभा में किसी भी बिल को पास कराना पहले के मुकाबले आसान हो जाएगा.आप के राज्यसभा सांसदों के बीजेपी में शामिल होने के बाद सदन में पार्टी के सदस्यों

की संख्या 106 से बढ़कर 113 हो जाएगी.7 मनोनीत सांसद व सहयोगी पार्टियों के 28 सांसद के साथ इससे सदन में एनडीए सरकार की स्थिति और मजबूत हो जाएगी एवं कुल संख्या 148 तक पहुंच जाएगी जो 123 के बहुमत से 25 ज्यादा रहेगी, जबकि सदन आप के सिर्फ 3 सांसद ही राज्यसभा में रह जाएंगे.पार्टी के सांसदों के बीजेपी में जाने का असर पंजाब की राजनीति में भी होगा और 2027 के चुनाव में पार्टी को झटका लग सकता है.बीजेपी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के कार्यकाल में ये पहला बड़ा राजनीतिक विलय है.उनके चेहरे पर जीत की मुस्कान साफ झलक रही थी. दिल्ली में 27 साल बाद सत्ता में वापसी और अब पंजाब के सांसदों को साथ लाना उनकी आक्रामक रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है. तस्वीरों और वीडियो में नए सदस्यों का खुले दिल से स्वागत किया गया जो भारतीय राजनीति की इस कड़वी सच्चाई को दोहराता है कि यहां कोई भी वफादारी स्थायी नहीं होती.खैर अभी तो पंजाब के चुनाव में देर है, लेकिन नवीन 5 राज्यों के चुनाव में क्या चमत्कार कर पाए हैं, इसका खुलासा भी 4 मई को परिणाम आने पर पता चलेगा, पश्चिम बंगाल जीत लिया तो बड़ी उपलब्धि होगी..?

बालेन शाह के नए भंसार नियम से नेपाल में जनता परेशान, बढ़ रहे चीजों के दाम

काठमांडू ■

नेपाल में बालेन शाह की सरकार के आदेश के बाद कस्टम जांच बढ़ाए जाने के बाद भारतीय सीमा से लगे एंट्री पॉइंट असामान्य रूप से शांत हो गए हैं। इसके चलते रोजमर्रा की जरूरत का सामान खरीदने के लिए सीमा पार करने वाले नेपाली खरीदारों की संख्या में भारी कमी आई है। बालेन सरकार की इस सख्ती का असर सीमा पर स्थित भारतीय बाजारों के साथ ही नेपाली जनता पर व्यापक रूप से पड़ा है।

नेपाल ने 100 रुपये से अधिक का सामान खरीदे जाने पर सीमा शुल्क वसूली को अनिवार्य कर दिया है।

नेपाल में इस शुल्क को भंसार कहा जाता है। नेपाली कस्टम अधिकारी अब सीमा से आने वाले हर सामान की कड़ी जांच कर रहे हैं। भैरहवा और आसपास के इलाके के लोगों का कहना है कि सीमा पर जांच कड़ी किए जाने के बाद से घर की जरूरी चीजों के दाम बढ़ गए हैं। वहीं, नेपाली खरीदारों से गुलजार रहने वाले सोनौली बाजार हाल के दिनों में धीमा पड़ गया है।

सीमा पर भारतीय बाजार भी शांत

नेपाली अधिकारियों का कहना है कि जांच का मकसद भारतीय सामानों पर रोक लगाना नहीं, बल्कि उस चलन को कमजोर करना है, जिसमें लोग घरेलू इस्तेमाल का बहाना बनाकर बिना ड्यूटी चुकाए बड़ी मात्रा में सामान लाते हैं। भैरहवा कस्टम ऑफिस के प्रमुख हरिहर पौडेल के हवाले से काठमांडू टाइम्स ने बताया है कि कस्टम पॉइंट के पार दिन में कई बार सामान ले जाकर की जाने वाली तस्करी में कमी आई है। आस-पास के भारतीय बाजारों से छोटे पैमाने पर की जाने वाली निजी खरीदारी पर कोई रोक नहीं लगाई जा रही है।

मालवा निमाड़ बना भट्टी, रतलाम में पारा 43, इंदौर में 41 पार, 10 साल में पहली बार ऐसा मौसम, सुबह 11 बजे ही पारा 40 डिग्री तक पहुंचा

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मालवा और निमाड़ अंचल में अप्रैल के महीने में ही भीषण गर्मी का दौर शुरू हो गया है और पूरा क्षेत्र भट्टी की तरह तप रहा है। शुक्रवार को रतलाम में अधिकतम तापमान 43.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो क्षेत्र में सबसे अधिक रहा। इसी तरह धार में 42.4, खरगोन में 42.0, खंडवा और उज्जैन में 41.5 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया। इंदौर में भी पारा 41.2 डिग्री तक पहुंच गया है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार आने वाले एक सप्ताह तक इस तपती गर्मी से राहत मिलने की कोई संभावना नजर नहीं आ रही है। शनिवार को भी इंदौर में सुबह से भीषण गर्मी है। सुबह 7 बजे से ही तेज धूप लग रही है और 11 बजे ही पारा 40 डिग्री के पास पहुंच गया है।

इंदौर में सीजन का सबसे गर्म दिन

इंदौर शहर में शुक्रवार इस सीजन का सबसे गर्म दिन रहा जहां अधिकतम तापमान 41.2 डिग्री सेल्सियस तक जा पहुंचा। इस साल यह पहली बार है जब पारा 41 डिग्री के स्तर को पार कर गया है। आंकड़ों के अनुसार 14 अप्रैल से ही शहर का तापमान लगातार 39 से 40 डिग्री या उससे अधिक बना हुआ है। शुक्रवार की दोपहर हवाओं की स्थिति लू जैसी रही जहां 12 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चलने वाले गर्म थपेड़ों ने लोगों को झुलसाने का अहसास कराया। अगले सात दिनों तक मौसम का यही कड़ा रुख बने रहने की आशंका है।

सुबह दस बजे से ही पारे की दौड़

इस गर्मी के मौसम में एक विशेष पैटर्न देखा जा रहा है कि सुबह 8 बजे तक मौसम सामान्य रहता है। लेकिन जैसे ही सूरज की किरणें तेज होती हैं पारा तेजी से बढ़ने लगता है। सुबह 10 बजे तक ही तापमान 36 डिग्री तक पहुंच जाता है और दोपहर होते-होते यह 40 डिग्री या उससे ऊपर निकल रहा है।

रात के तापमान में भी भारी बढ़ोतरी

लगातार 11 दिनों तक तापमान का 40 डिग्री से ऊपर बने रहना हीटवेव के पुराने रिकॉर्ड्स को चुनौती दे रहा है। खास बात यह है कि इस बार केवल दिन ही नहीं बल्कि रात का तापमान भी सामान्य से 4-5 डिग्री अधिक रिकॉर्ड किया जा रहा है। रात में अधिक गर्मी होने के कारण लोगों को चौबीसों घंटे बेचैनी का सामना करना पड़ रहा है।

गर्मी बढ़ने के मुख्य कारण

मौसम वैज्ञानिकों ने इस अत्यधिक तपिश के पीछे का कारण हवाओं का रुख बताया है। वर्तमान में हवाएं पूरी तरह पश्चिमी हैं जो राजस्थान की ओर से गर्म हवाएं लेकर आ रही हैं। इसके साथ ही आसमान एकदम साफ होने की वजह से सूरज की किरणें सीधे जमीन तक पहुंच रही हैं जिससे गर्मी

पिछले एक दशक में बदला ट्रेंड

इंदौर में अप्रैल महीने का औसत अधिकतम तापमान सामान्यतः 38.7 डिग्री तक रहता है। पारा 40 डिग्री के पार अक्सर अप्रैल के बाद ही जाता है। हालांकि पिछले 10 वर्षों में इस ट्रेंड में बड़ा बदलाव देखा गया है। अब अप्रैल की शुरूआत या मध्य में ही लगातार कई दिनों तक तापमान 40 डिग्री से ऊपर रहने लगा है। मौसम वैज्ञानिक इसे बड़ा बदलाव मान रहे हैं।

ऐतिहासिक आंकड़ों पर एक नजर

अगर पुराने रिकॉर्ड्स को देखें तो साल 2019 का अप्रैल महीना भी इंदौर के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण था। उस वर्ष महीने के आखिरी पखवाड़े में तापमान लगातार 40 से 43 डिग्री के बीच बना रहा था और लगभग 11 दिनों तक पारा 40 के पार रहा था। इसी प्रकार 2016 और 2017 में भी अप्रैल के अंतिम सप्ताह में 7 से 9 दिनों तक तापमान 40 डिग्री से अधिक दर्ज हुआ था।

भीषण गर्मी चलते कलेक्टर शिवम वर्मा ने जिला शिक्षा अधिकारी को दिये निर्देश

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। कलेक्टर शिवम वर्मा ने भीषण गर्मी के कारण तापमान में हुई वृद्धि को दृष्टिगत रखते हुये जिला शिक्षा अधिकारी को डॉ.शांता स्वामी भार्गव को निदेर्शानुसार इंदौर जिले के अंतर्गत शासकीय/अशासकीय सी.बी.एस.ई./ आई.सी.एस.ई./ माध्यमिक शिक्षा मण्डल एवं समस्त बोर्ड से संबद्ध विद्यालयों की कक्षा नर्सरी से कक्षा 8वीं तक के समस्त विद्यालयों में अवकाश आगामी 27 अप्रैल से 30 अप्रैल तक रहेगा। यह आदेश जिले की समस्त आंगनवाड़ियो पर भी समान रूप से लागू रहेगा। वर्मा के निदेर्शानुसार कक्षा 9वीं से 12वीं तक का संचालन प्रातः साढ़े 7 बजे से दोपहर 12 बजे के मध्य किया जायेगा। साथ ही जिले के समस्त विद्यालयों में ग्रीष्मकालीन अवकाश आगामी एक मई से 15 जून तक घोषित किया गया है। उक्त व्यवस्था तत्काल प्रभाव से लागू रहेगी।

ओल्ड जीडीसी में कुर्सी का खेल, लगा रहे खुलेआम आरोप, आदेश और अधिकार का बना मजाक

विवाद के चलते स्टाफ की सैलरी भी अटकी

निगाहें 27 अप्रैल की सुनवाई पर

स्टॉफ भी परेशान, किसकी सुनें ?

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

माता जीजाबाई कन्या पीजी कॉलेज (ओल्ड जीडीसी) में इंचार्ज प्रिंसिपल की कुर्सी को लेकर टकराव अब खुलकर सामने आ गया है। वर्तमान में डॉ. मंजू शर्मा और पूर्व इंचार्ज प्रिंसिपल डॉ. अशोक सचदेवा आमने-सामने हैं। मामला अदालत तक पहुंच चुका है और दोनों पक्ष अपने-अपने दावे पर अड़े हुए हैं।

जहाँ पढ़ाई होनी चाहिए, वहाँ प्रभारी प्राचार्य पद की इस खींचतान का असर कॉलेज के प्रशासनिक कामकाज के साथ-साथ स्टाफ की तनख्वाह पर भी पड़ रहा है। दरअसल 30 जून 2025 को डॉ. सौरभ मुक्तिबोध के बाद कोर्ट के निर्देश पर डॉ. अशोक सचदेवा को प्रिंसिपल का चार्ज मिला था। 29 जुलाई 2025 को उन्हें डीडीओ (वित्तीय अधिकार) भी सौंप दिए गए, जिससे वे वेतन और वित्तीय कार्यों के लिए अधिकृत हो गए। इसके बाद डॉ. मंजू शर्मा ने इस नियुक्ति पर आपत्ति दर्ज कराई और मामला न्यायालय पहुंच गया। 2 अप्रैल को कोर्ट ने वरिष्ठता के आधार पर डॉ. शर्मा के पक्ष में फैसला दिया।

कुर्सी पर जबरन कब्जा...

इस मामले में डॉ. अशोक सचदेवा का आरोप है कि डॉ. शर्मा के पास शासन का कोई औपचारिक आदेश नहीं है। उनके अनुसार मैं 2 अप्रैल को थोड़ी देर के लिए कक्ष से बाहर गया था। इसी दौरान वे कुछ लोगों के साथ आईं और सीधे कुर्सी पर बैठ गईं। इनका दावा है कि कुछ ही दिनों में नेमप्लेट, सील और प्रशासनिक नियंत्रण भी अपने हाथ में ले लिया। इनका कहना है कि कोर्ट का आदेश सीधे लागू नहीं होता, पहले शासन उसका परीक्षण करता है, फिर विधिवत आदेश जारी होता है, जो इस मामले में नहीं हुआ। उधर, डॉ. मंजू शर्मा अपने कदम को पूरी तरह वैध बताती हैं। उनका कहना है कि कोर्ट ने स्पष्ट रूप से मुझे इंचार्ज प्रिंसिपल माना है। जब न्यायालय ने आदेश दिया, तो मैंने

हालांकि, इस आदेश के खिलाफ डॉ. सचदेवा ने डबल बेंच में अपील की, जहां फिलहाल यथास्थिति बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। अगली सुनवाई 27 अप्रैल को तय है।

विभाग में कोई आदेश नहीं

इस कहानी में मजेदार बात यह है कि उच्च शिक्षा विभाग में इससे संबंधित कोई आदेश ही नहीं आया है। विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार शासन से डॉ. मंजू शर्मा के पक्ष में कोई औपचारिक आदेश प्राप्त नहीं हुआ है। कोर्ट का निर्णय विभाग को निर्देशित करता है, जिसका परीक्षण और फिर आदेश जारी होता हैं। साफ है कि जब तक शासन का आदेश नहीं आता, तब तक डीडीओ अधिकार देना संभव नहीं है।

इंदौर में 9 मई को आयोजित होगी राष्ट्रीय लोक अदालत

इंदौर। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ में 9 मई, शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नईदिल्ली के निदेर्शानुसार तथा प्रशासनिक न्यायाधीश श्री विजय कुमार शुक्ला के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। उक्त नेशनल लोक अदालत में लंबित प्रकरणों का आपसी सहमति एवं समझौते के आधार पर त्वरित निराकरण किया जाएगा। समस्त पक्षकारों एवं अधिवक्ताओं से अपील की गई है कि वे अपने लंबित प्रकरणों के निराकरण हेतु लोक अदालत का अधिकतम लाभ उठाएं। इसके लिए इच्छुक पक्षकार प्रिंसिपल रजिस्ट्रार, ओएसडी/रजिस्ट्रार (न्यायिक) अथवा संबंधित विभाग से संपर्क कर अपने प्रकरण लोक अदालत में रखने हेतु आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

पहले युवक को आरोपियों ने ढाबे पर पिलाई शराब, फिर चाकू से सीने पर चाकू मारे और कर दी हत्या

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

लसूड़िया थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात मामूली विवाद में एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। आरोपियों ने पहले युवक को ढाबे पर शराब पिलाई और फिर चाकू घोंपकर मौत के घाट उतार दिया। अस्पताल ले जाते समय युवक ने दम तोड़ दिया।

मृतक की पहचान चिंता राम (पिता रणजीत सिंह राठौर) निवासी रविदास नगर के रूप में हुई है। घटनाक्रम के अनुसार, शुक्रवार सुबह चिंता राम सरकारी नल पर पानी भर रहा था। इस दौरान बस्ती में रहने वाले कुलदीप, पंकज, मयूर और मोहित से उसका विवाद हो गया था। हालांकि, उस समय अन्य लोगों ने हस्तक्षेप कर मामला शांत करा दिया था। शुक्रवार रात आरोपी कलाली (शराब दुकान) पहुंचे और चिंता राम से सुलह करने की बात कही। चिंता राम उनकी बातों में आ गया और उनके साथ शराब पीने बैठ गया। उसे लगा कि विवाद खत्म हो गया है, लेकिन तभी आरोपियों ने चाकू निकालकर उसके सीने पर दो वार कर दिए। हमले में गंभीर रूप से घायल चिंता राम को एक आरोपी की मां अस्पताल लेकर पहुँची, लेकिन अधिक खून बह जाने के कारण रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। मौत की पुष्टि के बाद आरोपी की माँ मौके से चली गई। अस्पताल के कर्मचारियों ने पुलिस को हत्या की सूचना दी, जिसके बाद पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए बस्ती से चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है। बस्तीवासियों का कहना है कि आरोपी इलाके में दादागिरी करते हैं और आए दिन लोगों से विवाद करते हैं। मृतक के परिजनों ने पुलिस से आरोपियों के मकान तोड़ने की मांग की है।

इंदौर में एमडी ड्रग्स तस्करी पर पुलिस का बड़ा एक्शन, महिला तस्कर सहित 3 आरोपी गिरफ्तार

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

शहर में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत खजराना थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक महिला ड्रग्स तस्कर सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 15 ग्राम से अधिक एमडी ड्रग्स जब्त की है, जिसकी बाजार कीमत लगभग 1.5 लाख रुपये बताई जा रही है। दरअसल, खजराना पुलिस ने एक दिन पहले 11 ग्राम एमडी ड्रग्स के साथ अमान नामक आरोपी को गिरफ्तार किया था। पुलिस रिमांड के दौरान की गई पूछताछ में अमान से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने आगे की कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस टीम ने पटेल कट पाकीजा रोड क्षेत्र में घेराबंदी कर संदिग्ध महिला फिरदौस पटेल (33) को पकड़ा, जो पुलिस को देखकर भागने का प्रयास कर रही थी। तलाशी लेने पर उसके पास से 15 ग्राम से अधिक एमडी ड्रग्स बरामद हुई। इसके बाद पुलिस ने मामले में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/22 के तहत प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में सामने आया कि उक्त मादक पदार्थ की सप्लाई राजस्थान के चित्तौड़गढ़ निवासी नारायण सिंह चौहान (21) करता था। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को रेलवे स्टेशन से हिरासत में ले लिया।

इंदौर केंद्रीय जेल में गूंजी राम कथा, बंदियों में दिखा आध्यात्मिक उत्साह

भगवान श्रीराम का जीवन सत्य, धैर्य और मयार्दा का प्रतीक: कपूर

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर की केंद्रीय जेल में शुक्रवार को एक अलग ही माहौल देखने को मिला, जब बंदियों के मानसिक और आध्यात्मिक उत्थान के उद्देश्य से भव्य राम कथा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जेल महानिदेशक वरुण कपूर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उनके साथ उनकी धर्मपत्नी डॉ. सौम्या कपूर भी उपस्थित रहीं।

प्रसिद्ध कथा वाचक पूज्य राम जी महाराज ने मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के जीवन प्रसंगों का प्रभावशाली और भावपूर्ण वर्णन किया। उनकी ओजस्वी वाणी ने बंदियों को गहराई से प्रभावित किया, जिससे कई बंदी भाव-विभोर नजर आए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वरुण कपूर ने कहा कि भगवान श्रीराम का जीवन सत्य, धैर्य और मयार्दा का प्रतीक है। उन्होंने बंदियों से अपील की कि वे अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएं और समाज की मुख्यधारा में लौटने का प्रयास करें। उन्होंने यह भी कहा कि राम कथा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि जीवन जीने की सही दिशा दिखाने वाला माध्यम है। कथा के दौरान भजन-कीर्तन का भी आयोजन हुआ, जिसमें बंदियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरे परिसर में भक्ति और शांति का वातावरण बना रहा। जेल अधीक्षक डॉ. अलका सोनकर ने बताया कि ऐसे धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम बंदियों के व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन लाने में सहायक होते हैं। उन्होंने कहा कि जेल प्रशासन समय-समय पर इस तरह के आयोजन करता रहता है, ताकि बंदियों में सुधार की भावना विकसित हो और वे समाज से जुड़ाव महसूस कर सकें। कार्यक्रम का समापन आरती और प्रसाद वितरण के साथ हुआ। इस अवसर पर जेल के अधिकारी, कर्मचारी और बड़ी संख्या में बंदी उपस्थित रहे।

सिंहस्थ के लिए सिंह की विशाल दृष्टि

संत-महंत और महामंडलेश्वर के साथ महाकुंभ के पूर्व तैयारियों का अमृत पान

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

क्या किसी ने ऐसा व्यक्ति देखा है जो अपनी सोच और समझ के साथ एक विशाल दृष्टिकोण साथ रखता हो, जी हा हम बात कर रहे है सिंहस्थ मेला प्रभारी आशीष सिंह की। 42 डिग्री से भी ज्यादा पारा, फिर भी मन में उमंग और उत्साह का नारा यदि कोई दे सकता है तो वह आईएएसआशीष सिंह है।

एयर कंडीशनर गाड़ी से उतारकर सीधे पैदल पैदल कई मिलो तक इन दिनों वे सिंहस्थ की सम्पूर्ण तैयारियों को लेकर सबको साथ लेकर चल रहे है। सीएम के निदेर्शों के साथ ही खुद उनके विजन से भी बढ़कर बहुत कुछ कर गुजरने की ठाने हुए है। आज आशीष सिंह पूरी टीम के साथ शिप्रा नदी के पास बने रामानुज कोट पहुंचे, जहां पर उन्होंने साधु और संतो के साथ मिलकर विकास की राह और नींव को मजबूत करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। रामानुज में निरीक्षण के दौरान दौरान साधु-संतों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। सिंहस्थ-2028 को लेकर सड़कों का चौड़ीकरण, अतिक्रमण हटाने एवं सुव्यवस्थित यातायात व्यवस्था के कार्य निरंतर गति से चल रहे हैं। प्रशासन व साधु-संतों के बीच आपसी समन्वय से बेहतर तैयारी सुनिश्चित की जा रही है।

अमीर लोगों की 7 मनी हैबिट्स!!!

फिर भी जिंदगी हसीन है...

dreamsachieverspune@gmail.com

दोस्तों, इस दुनिया का हर इंसान अमीर बनने का सपना देखता है और इसीलिए हर क्षण अधिक कमाने के लिए प्रयासरत रहता है। लेकिन दोस्तों, आज के समय में आर्थिक स्थिरता और समृद्धि केवल अधिक कमाने से नहीं आती। इसके लिए आपको सही सोच विकसित करने के साथ सही आदतों को अपनाना पड़ता है। सहमत ना हों तो जरा अपने आस-पास नज़रें घुमा कर देखियेगा आपको अच्छी खासी आमदनी के बाद भी वित्तीय तनाव में रहने वाले ढेरों लोग मिल जाएँगे। साथ ही आपको कुछ ऐसे लोग भी मिलेंगे जिन्होंने सीमित संसाधनों के बावजूद मजबूत आर्थिक स्थिति बनाई है। दोस्तों, मेरी नजर में यह अंतर केवल मनी हैबिट्स यानी धन प्रबंधन की आदतों की वजह से आता है। आइए, आज हम अमीर लोगों की उन 7 मनी हैबिट्स को जानने का प्रयास करते हैं जो उन्हें आर्थिक स्थिरता के साथ समृद्ध बनाती है-

निर्मल भटनागर (एजुकेशनल कंसलटेंट एवं मोटिवेशनल स्पीकर)

दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

पहली आदत — नियमित निवेश करना- सफल लोग निवेश को विकल्प नहीं, बल्कि प्राथमिकता मानते हैं। वे बाजार की परिस्थितियों से घबराकर रुकते नहीं, बल्कि निरंतर छोटे-छोटे निवेश के माध्यम से समय के साथ बड़ी संपत्ति का निर्माण करते हैं। यह अनुशासन उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बनाता है।

दूसरी आदत — सबसे पहले खुद को पैसा देना- सफल लोग अपनी आमदनी में से पहले बचत और निवेश का पैसा अलग करते हैं, फिर बचे हुए पैसों से अपना खर्च चलाते हैं। यह आदत भविष्य के लिए आर्थिक सुरक्षा और साथ ही अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण बनाए रखती है।

तीसरी आदत — अपनी आय से कम खर्च करना- सुनने में यह सूत्र साधारण लगता है, लेकिन यही आर्थिक सफलता का आधार है। जो लोग अपनी जीवनशैली को नियंत्रित रखते हैं और दिखावे से दूर रहते हैं, वे धीरे-धीरे मजबूत वित्तीय नींव तैयार करते हैं।

चौथी आदत —एसेट्स याने संपत्तियाँ बनाना, न कि लाइबिलिटीज़ याने दायित्व बढ़ाना- सफल लोग ऐसी चीजों में निवेश करते हैं जो समय के साथ मूल्य बढ़ाती हैं, जैसे रियल एस्टेट, मेटल या अन्य निवेश। वे उन खर्चों से बचते हैं जो केवल दिखावे के लिए होते हैं और लंबे समय में बोझ बन जाते हैं।

पांचवीं आदत — लंबी अवधि के विकास पर ध्यान देना- त्वरित लाभ के बजाय धैर्य के साथ निवेश करना और कंपाउंडिंग के प्रभाव को समझना, धन निर्माण का एक शक्तिशाली तरीका है। समय के साथ छोटी-छोटी बढ़त भी बड़ा परिणाम देती है।

छठी आदत — इमरजेंसी फंड बनाना- जीवन में अनिश्चितताएँ हमेशा बनी रहती हैं। ऐसे में एक मजबूत आपातकालीन फंड आपको अचानक आने वाली परिस्थितियों में आर्थिक सुरक्षा प्रदान करता है और आपको तनाव से बचाता है।

सातवीं और अंतिम आदत — आय के कई स्रोत बनाना- केवल एक आय पर निर्भर रहना जोखिम भरा हो सकता है। सफल लोग अतिरिक्त आय के स्रोत विकसित करते हैं, जिससे उनकी आर्थिक स्वतंत्रता और सुरक्षा दोनों बढ़ती हैं।

अंत में इतना ही कहूँगा कि आर्थिक रूप से स्थिर और समृद्ध बनने के लिए यह समझना आवश्यक है कि धनवान बनने का सफर किसी एक बड़े निर्णय से नहीं, बल्कि इन छोटी-छोटी आदतों के निरंतर अभ्यास से तय होता है। यह केवल पैसे कमाने की बात नहीं है, बल्कि पैसे को समझदारी से सम्भालने और बढ़ाने की कला है।

यदि आप इन 7 मनी हैबिट्स को अपने जीवन में अपनाना शुरू करते हैं, तो धीरे-धीरे न केवल आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, बल्कि आप एक अधिक आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी और सुरक्षित जीवन की ओर बढ़ेंगे। याद रखें, धन केवल बैंक बैलेंस नहीं है, यह आपकी सोच, अनुशासन और भविष्य के प्रति आपकी तैयारी का प्रतिबिंब है।

डॉ राठी मोबाइल पर निशुल्क करियर मार्गदर्शन देगें

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। शा.महाविद्यालय राऊ (इंदौर)के प्राध्यापक डॉ. डी .सी .राठी प्रतिदिन शाम 04 से 05 बजे तक मई 2026 से जुलाई 2026 माह तक अपने मोबाइल नं 9425492027 पर करियर मार्गदर्शन देंगे। 10 वीं तथा 12 वीं पास विद्यार्थी इस सुविधा का लाभ ले सकेंगे। विद्यार्थी विषय चयन के सम्बन्ध में, नवीन शिक्षा नीति के तहत उपलब्ध पाठ्यक्रमों की जानकारी, प्रोफेशनल कोर्सेस के सम्बन्ध में जानकारी,उद्यमिता एवं स्वरोजगार से संबंधित कोर्सेस की जानकारी, तकनीकी कोर्सेस की जानकारी, उच्च शिक्षा विभाग की प्रवेश प्रकिया की जानकारी इत्यादि प्राप्त कर सकते हैं। उल्लेखनीय है की डॉ. राठी म . प्र .शासन उच्च शिक्षा विभाग की करियर मार्गदर्शन योजना में 08 वर्षों तक डिप्टी डायरेक्टर के पद पर कार्यरत रहे है ।

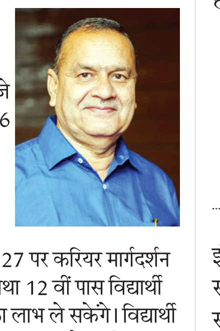

कई गुना महंगी बेची जा रही 5 रुपए वाली पैरासिटामॉल

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा और जस्टिस विनोद सर्राफ की युगलपीठ ने मेडिकल जांच और दवाइयों की कीमतों में असमानता पर दायर जनहित याचिका पर राज्य सरकार को नोटिस दिया है। हाईकोर्ट ने शुक्रवार को याचिका पर सुनवाई की।

इस दौरान कोर्ट ने स्पष्ट तौर पर मौखिक टिप्पणी करते हुए पूछा कि जब केंद्र सरकार ने आदेश जारी कर दिया है तो राज्य सरकार इसका पालन सुनिश्चित क्यों नहीं करवा रही है। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार और मेडिकल काउंसिल से इसका जवाब मांगा है। उन्हें कोर्ट को चार सप्ताह में इसका जवाब पेश करना होगा। याचिका में बताया गया है कि न केवल दवाइयों की कीमतें अलग अलग ली जा रहीं हैं बल्कि मेडिकल जांच के रेट भी अलग-अलग वसूले जा रहे हैं। कुछ डॉक्टर दूसरी जगह की रिपोर्ट को मान्यता ही नहीं देते। मेडिकल जांच और दवाइयों की कीमतों में असमानता पर इंदौर हाईकोर्ट में याचिकाकर्ता रमण रावल ने यह जनहित याचिका दायर की है। उनकी ओर से वरिष्ठ अभिभाषक विजय कुमार आसुदानी कोर्ट में पेश हुए और अपनी दलीलें दीं।

10वीं-12वीं की द्वितीय परीक्षा के लिए आवेदन अब 26 अप्रैल तक

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल ने गुरुवार को विद्यार्थियों के हित में एक बड़ा निर्णय लिया है। वर्ष 2026 की हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी द्वितीय परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की तिथि बढ़ा दी है। अब विद्यार्थी 26 अप्रैल तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। इस संबंध में मंडल ने आदेश भी जारी कर दिए हैं। माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश के सचिव श्री बुद्धेश कुमार वैद्य ने बताया कि विद्यार्थियों के हित को ध्यान में रखते हुए ऑनलाइन आवेदन भरने की तिथि को बढ़ा दिया गया है।

मन की चंचलता को दूर करने का सहज उपाय है एकाग्रता

श्री श्री आनन्दमूर्ति

ग्लोबल हेराल्ड

एक बार एक साधक ने प्रश्न किया, 'बाबा, क्या साधना और एकाग्रता एक ही चीज है। अगर एक ही है तो मन की चंचलता दूर करने का सहज उपाय क्या है?' मानव जीवन की सबसे जटिल चुनौतियों में से एक है—मन को स्थिर करना। हम सभी अनुभव करते हैं कि हमारा मन निरंतर बदलता रहता है, कभी शांत तो कभी अत्यंत चंचल। प्रश्न उठता है—क्या यह चंचलता हमारी अपनी है, या इसके पीछे कोई गहरा कारण छिपा है? मन की अस्थिरता का मूल कारण है प्रकृति का प्रभाव, और इससे मुक्ति का एकमात्र मार्ग है साधना।

सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि मन को प्रकृति के प्रभाव से मुक्त करना आसान कार्य नहीं है। मानव चेतना सीमित है, जबकि प्रकृति अनंत है। सामान्यतः यह सोचा जा सकता है कि सीमित चेतना पर केवल सीमित प्रकृति का ही प्रभाव होगा, लेकिन यह धारणा सही नहीं है। प्रकृति कोई विभाजित शक्ति नहीं है; वह एक अखंड, अद्वितीय और सर्वव्यापी शक्ति है। इसलिए हर इकाई चेतना पर अनंत प्रकृति का ही प्रभाव कार्य करता है। यही कारण है कि साधना एक साधारण प्रक्रिया नहीं, बल्कि एक गहन आंतरिक संघर्ष है। यह संघर्ष केवल व्यक्तिगत कमजोरियों से नहीं, बल्कि अनंत प्रकृति की व्यापक शक्ति से होता है। साधक को इस विशाल प्रभाव के विरुद्ध धीरे-धीरे अपने अस्तित्व को जागृत करना पड़ता है। प्रकृति की एक प्रमुख विशेषता है—उसकी चंचलता। वह कभी स्थिर नहीं रहती, और यही गुण वह अपनी सृष्टि में भी आरोपित करती है। इसीलिए पूरा सृष्टि चक्र निरंतर परिवर्तनशील है। जो कुछ भी इस जगत में दिखाई देता है, वह मूलतः कॉस्मिक चेतना का रूपांतरण है। जब प्रकृति इस चेतना को प्रभावित करती है, तो न केवल बाहरी जगत बदलता है, बल्कि कॉस्मिक मन भी प्रभावित होता है। हालाँकि, यह परिवर्तन अत्यंत धीमा और क्रमिक होता है। अनंत चेतना पर प्रभाव डालने में प्रकृति को समय लगता है। यही कारण है कि सृष्टि का प्रवाह अचानक नहीं बदलता, बल्कि धीरे-धीरे विकसित होता है। जब यही प्रकृति इकाई मन पर प्रभाव डालती है, तो उसमें अत्यधिक चंचलता और अस्थिरता उत्पन्न हो जाती है। हम अपने दैनिक जीवन में इसे स्पष्ट रूप से अनुभव करते हैं—मन का एक विचार से दूसरे विचार की ओर भागना, भावनाओं का बदलना, और एकाग्रता का अभाव। यह सब प्रकृति के प्रभाव का ही परिणाम है। मन की यह चंचलता विभिन्न स्तरों पर अलग-अलग होती है। आनंद मार्ग दर्शन के अनुसार, मन के तीन प्रमुख स्तर होते हैं—चित्त, अहंतत्त्व और महत्तत्त्व। चित्त पर प्रकृति का प्रभाव सबसे अधिक होता है, इसलिए यह सबसे अधिक चंचल होता है। इसके विपरीत महत्तत्त्व पर प्रकृति का प्रभाव कम होता है, इसलिए यह अपेक्षाकृत शांत होता है। अब प्रश्न है—इस चंचल मन को स्थिर कैसे किया जाए? इसका उत्तर है—साधना। साधना का वास्तविक उद्देश्य केवल ध्यान या पूजा नहीं, बल्कि धीरे-धीरे प्रकृति के प्रभाव को कम करना है। जैसे-जैसे साधक साधना करता है, प्रकृति का प्रभाव कम होता जाता है और मन की चंचलता भी घटने लगती है। यह प्रक्रिया क्रमिक है। सबसे पहले साधक को चित्त के स्तर से अपने मन को वापस खींचना होता है। इसके बाद अहंतत्त्व का अतिक्रमण करना होता है, और अंततः महत्तत्त्व को भी पार करना होता है। जब यह संपूर्ण प्रक्रिया पूर्ण होती है, तब मन पूरी तरह एकाग्र हो जाता है। यहाँ यह समझना महत्वपूर्ण है कि एकाग्रता और साधना अलग-अलग नहीं हैं। वास्तव में, एकाग्रता ही साधना का परिणाम है, और साधना ही एकाग्रता की प्रक्रिया है। जब तक मन प्रकृति के प्रभाव से मुक्त नहीं होता, तब तक वास्तविक एकाग्रता संभव नहीं है। अंततः, यह कहा जा सकता है कि मन की स्थिरता कोई बाहरी तकनीक से प्राप्त होने वाली चीज नहीं है। यह एक गहन आंतरिक परिवर्तन है, जो केवल साधना के माध्यम से संभव है। साधना के द्वारा मन धीरे-धीरे अपने मूल स्वरूप की ओर लौटता है—जहाँ न चंचलता है, न विकार, बल्कि केवल शांति और संतुलन है। यही साधना का विज्ञान है—प्रकृति के प्रभाव से ऊपर उठकर, अपने वास्तविक स्वरूप को प्राप्त करना।

प्रस्तुति : दिव्यचेतनानंद अवधूत

इंदौर में तालाबों का जलस्तर कम, यशवंत सागर में 13 फीट पानी

कई इलाकों में जलसंकट

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर में गर्मी के तेवर दिन-ब-दिन तीखे होते जा रहे हैं और शहर की जल वितरण व्यवस्था प्रभावित हो रही है। शहर के बड़े हिस्से की प्यास बुझाने वाले यशवंत सागर तालाब में 13 फीट पानी बचा हुआ है। इस तालाब से हर दिन 30 एमएलडी पानी लिया जा रहा है। देवधरम टेकरी पर फिल्टर करने के बाद इस पानी को शहर की पांच टंकियों में सप्लाई के लिए भेजा जाता है। पहले तालाब से 35 एमएलडी पानी लिया जाता था। इस तालाब की कुल क्षमता 19 फीट है।

शहर के आठ हजार से ज्यादा सरकारी बोरिंगों में से कई बोरिंग सूख चुके हैं, जबकि ज्यादातर बोरिंगों में पानी का स्तर कम हो गया है। यही हाल निजी बोरिंगों का भी है। इस कारण शहर में पानी की मांग बढ़ गई है। पहले कई परिवारों की पानी की जरूरत निजी बोरिंगों से पूरी हो जाती थी, लेकिन अब वे भी नर्मदा जल पर निर्भर हो गए हैं।

200 से ज्यादा टैंकरों से बांटा जा रहा पानी

शहर में टैंकरों की संख्या बढ़ा दी गई है। 85 वार्डों में टैंकर लगाए गए हैं। जिन वार्डों का क्षेत्रफल ज्यादा बड़ा है, वहां दो-तीन टैंकर लगाए गए हैं। इसके अलावा नगर निगम के 40 से ज्यादा सरकारी टैंकरों से भी पानी बांटा जा रहा है। इन किराए के टैंकरों पर निगम हर माह दो से तीन करोड़ रुपये खर्च कर रहा है। मई माह तक शहर में टैंकरों के माध्यम से जल वितरण जारी रहेगा।

20 प्रतिशत इलाकों में नर्मदा लाइन नहीं

शहर के 20 प्रतिशत इलाकों में अभी नर्मदा लाइन नहीं पहुंची है। वहां सबसे ज्यादा पानी की किल्लत है। शहर के सीमावर्ती इलाके इसमें शामिल हैं। बायपास और रिंग रोड की कॉलोनियों के अलावा लसूडिया क्षेत्र के इलाकों में जल संकट ज्यादा है। वहीं शहर के बाणगंगा, चंदन नगर, एरोड्रम रोड, प्रजापत नगर और अन्नपूर्णा क्षेत्र में भी नल कम दबाव से आ रहे हैं। कई इलाकों में एक दिन छोड़कर पानी दिया जा रहा है।

चारधाम यात्रा का उत्साह, 2, 9 और 10 मई को ट्रेनों में टिकट बुकिंग बंद !

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इन दिनों चारधाम यात्रा की धूम है। हर कोई बाबा केदारनाथ, ब्रदीनाथ, गंगोत्री और यमनोत्री के दर्शन को आतुर है। पहले दिन ही केदारनाथ के दर्शन के लिए भीड़ उमड़ी है। इस बीच इंदौर से चारधाम के लिए जाने वाले यात्रियों को ट्रेन की कन्फर्म सीटें नहीं मिल रही हैं। ट्रेनों में भारी भीड़ है। इतना ही नहीं कुछ तारीखों की तो बुकिंग ही बंद है। इसके अलावा अन्य विकल्प भी खास नहीं है। चारधाम के कपाट खुलने के बाद इंदौर से बड़ी संख्या में यात्री जा रहे हैं। इंदौर से हरिद्वार के लिए दो ट्रेन हैं जिनका सप्ताह में दो-दो दिन संचालन होता है। बुधवार-गुरुवार को उज्जैनी एक्सप्रेस चलती है। इसी तरह शनिवार-रविवार को लक्ष्मीबाई नगर- ऋषिकेश ट्रेन का संचालन होता है जो हरिद्वार से होकर गुजरती है। यहीं से चारधाम की यात्रा शुरू होती है। इन दोनों ट्रेनों में मई-जून में लंबी वेटिंग है। 60 दिन के बाद का जैसे ही चार्ट खुलता है, वैसे ही वेटिंग शुरू हो जाती है।

कई तारीखों की बुकिंग बंद

ट्रेवल एजेंटों के अनुसार 2, 9 और 10 मई को सेकंड एसी श्रेणी की बुकिंग फुल होने से रिग्रेट यानी बुकिंग बंद कर दी गई है। इसी तरह 2 और 3 मई को थर्ड एसी में रिग्रेट, थ्रीई में 2 मई को रिग्रेट है। इसी तरह 3 मई को स्लीपर 80 वेटिंग, 16 मई को थर्ड एसी में 88 वेटिंग है। जून तक अधिकतम 30 से लेकर 80 तक वेटिंग है।

नियमित-स्पेशल ट्रेन नहीं

हर साल चारधाम की यात्रा के लिए ट्रेनों में भारी भीड़ होती है। लंबे समय से इंदौर से चल रही साप्ताहिक ट्रेन को हर दिन चलाने की मांग है। साथ ही स्पेशल ट्रेन की मांग भी हर बार होती है, लेकिन इसे पूरा नहीं किया जा रहा है। देवी अहिल्याबाई होलकर एयरपोर्ट से इंदौर से देहरादून के लिए पहले एक उड़ान का संचालन होता था, लेकिन अब बंद हो गया है। उड़ान से जाने के लिए सीधा विकल्प नहीं है। इंदौर से दिल्ली वाया देहरादून की उड़ान है जो कि करीब 12 हजार रुपए के आसपास की है। वैसे तो शहर से हरिद्वार के लिए बसें नहीं चलती है, लेकिन अभी डिमांड के हिसाब से दो ऑपरेटर बस चला रहे हैं। इनका किराया करीब 2 हजार रुपए है। 18-19 घंटे में बस पहुंचेगी। हालांकि ये सफर ट्रेन के मुकाबले महंगा और कम आरामदायक होता है।

जिला कोर्ट में जल्द होगी सरकारी वकीलों की नियुक्तियां 8 दिन में देनी होगी सूची

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

जिला कोर्ट में जल्द ही सरकारी वकीलों को नियुक्तियां होने वाली है। प्रदेश भाजपा संगठन ने 38 पदों के लिए नए सिरे से स्थानीय संगठन से सूची मांगे हैं। उसके साथ में शर्त भी रखी है कि मौजूदा कोई भी सरकारी वकील का नाम नहीं दिया जाए। सूची को आठ दिन में देने के निर्देश दिए गए हैं ताकि समय पर घोषणा हो सके। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अपनी सरकार के सभी राजनीतिक पदों पर नियुक्तियां करने जा रहे हैं, जिसका सिलसिला शुरू हो गया।

इसी क्रम में इंदौर जिला एवं सत्र न्यायालय में जिला लोक अभियोजक (जीपी) और अतिरिक्त जिला लोक अभियोजक (एजीपी) के 38 पदों की भी घोषणा होना है। हालांकि ये नियुक्ति तो दो साल पहले ही हो जाना चाहिए थे, लेकिन पुरानी टीम ही काम कर रही है। इसको लेकर 27 जुलाई 2025 और 13 जनवरी 2026 को सूची भेजी गई थी, लेकिन पिछले दिनों जिला कोर्ट की तरफ से गई सूची से वह मेल नहीं खा रही थी। कोर्ट ने 38 पदों के लिए चार गुना नामों की सूची भेजी थी। इधर, भाजपा की सूची में कई ऐसे भी नाम शामिल थे जो कि पात्र नहीं थे। गेंद जब प्रदेश संगठन के पाले में आई तो उन्होंने तुरंत इंदौर संगठन को निर्देश दिए कि वे नए सिरे से 25 नामों की सूची बनाकर आठ दिन में भेजें। चौंकाने वाली बात ये भी है कि उसमें मौजूदा और पुराने वकीलों के नाम नहीं होना चाहिए। इसका अर्थ साफ है कि पार्टी नए कार्यकताओं को मौका देना चाहती है।

ये है मौजूदा सरकारी वकील

वर्तमान में जीपी के पद पर अभिजीत सिंह राठौर काबिज है तो उमेश यादव, लीलाधर पाटीदार, दिनेश खंडेलवाल, संजय शर्मा, अजय मिमरोट, चंद्रशेखर चौधरी, रीना चौधरी, संजय शुक्ला, श्याम दांगी, जयंत दुबे व विशाल श्रीवास्तव सहित अन्य एजीपी हैं। गौरतलब है कि संघ चाहता है कि राठौर फिर से जीपी बनाए जाए। इसके लिए संघ के एक नेता लगातार लाबिंग भी कर रहे हैं।

22 से 38 हो गए हैं पद

गौरतलब है कि कुछ समय पहले तक इंदौर जिला कोर्ट में सरकारी वकीलों के 22 ही पद थे, लेकिन सरकार ने संख्या बढ़ाकर 38 कर दी है। इसका सीधा फायदा कार्यकताओं को होगा जो संगठन के लिए वर्षों से काम कर रहे हैं। पार्टी भी अधिक लोगों को उपकृत कर पाएगी।

मंडल अध्यक्षों ने ली थी आपत्ति

नगर भाजपा ने विधायकों से नाम लेकर प्रदेश संगठन को भेज दिए थे। बताते हैं कि विधायकों ने अपनी पसंद के नाम सामने रख दिए जिसमें ये नहीं देखा कि कौन संगठन का काम करता है या नहीं करता है और योग्य भी है या नहीं ? सूची की जानकारी सामने आने के बाद मंडल अध्यक्षों ने प्रदेश संगठन से भी शिकायत की जिसके बाद जिला कोर्ट के नामों से जब सूची मेल नहीं खाई तो बवाल हो गया जिसके बाद संगठन ने नाम बुलाने का फैसला किया। मजेदार बात ये है कि एक सूची राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भी भेजी थी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जानकी नवमी पर प्रदेशवासियों को दीं शुभकामनाएं

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेशवासियों को जानकी (माता सीता) नवमी की शुभकामनाएं दीं हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंगल प्रार्थना करते हुए कहा है कि जनक नंदिनी मां सीता की कृपा से हम सभी के जीवन में सुख-समृद्धि और खुशहाली की उत्तरोत्तर वृद्धि होती रहे। उल्लेखनीय है कि जानकी नवमी वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को मनाई जाती है, जो माता सीता के अवतरण दिवस के रूप में पवित्र तिथि मानी जाती है।

बायपास फ्लायओवर और अंडरपास की सौगात अतिशीघ्र - मंत्री सिलावट

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

प्रदेश के जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने आज शनिवार को अपने निज निवास कार्यालय पर एनएचएआई द्वारा निमार्णाधीन अर्जुन बरोदा, झलारिया, एमआर-10 और रालामंडल फ्लायओवर और अंडरपास के विकास कार्यों की समीक्षा की।

मंत्री सिलावट ने समीक्षा के दौरान बताया कि अर्जुन बरोदा पर 1 किलोमीटर 6 लेन सड़क 60 मीटर के अंडरपास का निर्माण किया जा रहा है, जिसमें डामरीकरण का कार्य प्रगति पर है और लाईट, रोड मार्किंग इत्यादि का कार्य अतिशीघ्र समाप्त कर इसे टेस्टिंग के लिए चालू कर दिया जायेगा। इसी प्रकार झलारिया और एमआर-10 पर निमार्णाधीन अंडरपास का निर्माण कार्य भी चल रहा है जिसका कार्य बारिश के पूर्व समाप्त कर आम जनता के लिए चालू कर दिया जायेगा। यह सभी फ्लायओवर और अंडरपास का निर्माण अतिशीघ्र होने पर प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादवजी के नेतृत्व में केन्द्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरीजी के द्वारा लोकार्पण कराया जायेगा। मंत्री श्री सिलावट ने बायपास पर लम्बा जाम लगने पर असंतोष व्यक्त करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिये कि सर्विस रोड और स्ट्रीट लाईट बंद से होने ग्रामीण और शहरी लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड रहा है, जिसका निराकरण जल्दी करें और सर्विस रोड आदि का निर्माण भी अतिशीघ्र करें।

शूटिंग में चाहिए गोल्ड तो छोड़ना होगा हार का डर कॉमनवेल्थ चैंपियन ने दिए सफलता के मंत्र

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

भारत में शूटिंग खेल के लिए अपार संभावनाएं मौजूद हैं। देशभर में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, लेकिन इसे वैश्विक स्तर पर भुनाने के लिए सही बुनियादी ढांचे और मजबूत कोचिंग व्यवस्था की दरकार है। यह बातें ओलंपिक कोच और कॉमनवेल्थ स्वर्ण पदक विजेता रौनक पंडित ने इंदौर में कही।

पंडित ने कहा कि उनका मुख्य लक्ष्य इंदौर के स्कूलों में विकसित उत्कृष्ट सिस्टम का उपयोग कर खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण प्रदान करना है। पंडित इंदौर के चत्रभुज नरसी स्कूल में आयोजित पिस्टल शूटिंग प्रतियोगिता में आए और यहां उन्होंने भारतीय शूटिंग के भविष्य और खिलाड़ियों के मानसिक कौशल पर विस्तार से चर्चा की।

असफलता के डर से मुक्त होकर खेलों में जाएं

पंडित ने स्पष्ट किया कि एक निश्चित स्तर के बाद सभी खिलाड़ियों में समान प्रतिभा होती है, जहां कोच की भूमिका निर्णायक हो जाती है। कोच के पास तकनीकी समझ के साथ रणनीतिक सोच और ट्रेनिंग की सटीक योजना होना अनिवार्य है। चूंकि शूटिंग एक मानसिक खेल है, इसलिए इसमें शारीरिक फिटनेस के साथ मानसिक संतुलन का महत्व सबसे अधिक है। उन्होंने खिलाड़ियों को असफलता के डर से मुक्त होकर प्रक्रिया पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी।

अंतरराष्ट्रीय मंच पर बढ़ रहा भारत का दबदबा

अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत के बढ़ते दबदबे का जिक्र करते हुए पंडित ने कहा कि देश कॉमनवेल्थ, एशियाई खेल और विश्व चैम्पियनशिप में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यदि व्यवस्था और प्रक्रियाओं में सुधार जारी रहा, तो भारत आने वाले लॉस एंजेलिस ओलंपिक में शूटिंग के क्षेत्र में 4 से 6 पदक जीत सकता है।

इंदौर के साथ पुराना रिश्ता

पंडित ने अपनी यादें साझा करते हुए बताया कि वर्ष 2001 में वे इंदौर से ही सीनियर नेशनल चैंपियन बने थे। उन्होंने संकल्प लिया कि वे इंदौर को न केवल स्वच्छता बल्कि शूटिंग के क्षेत्र में भी एक नई वैश्विक पहचान दिलाएंगे।

तोमर राजपूत समाज चेतना मंडल के प्रदेश अध्यक्ष बने

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। राजपूत समाज चेतना मंडल के प्रदेश अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण दायित्व के लिए राजेश सिंह तोमर को चुने जाना आपके समर्पण और समाज सेवा का ही परिणाम है। हमें पूरा विश्वास है कि आपके नेतृत्व में संगठन नई ऊंचाइयां छुएगा और प्रदेश भर में समाज के उत्थान के लिए एक मजबूत, समर्पित टीम तैयार होगी। आपसे जुड़ी हर अपेक्षा पर आप खरे उतरेंगे। राजपूत समाज चेतना मंडल के संयोजक रतनसिंह राजपूत, शहर अध्यक्ष गजराजसिंह सोलंकी, जिला अध्यक्ष (ग्रामीण) दुलेसिंह राठौड़ ,सचिव सत्येंद्रसिंह चौहान, महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष मोनिका बैस, संयोजिका अनुराधा चौहान आप सभी ने तोमर साहब को नए दायित्व के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की है, यहां जानकारी मीडिया प्रभारी विनोद सिंह चौहान ने दी

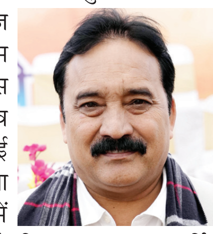

विधुर नगर में एक हजार 182 किलोग्राम अवैध भांग बरामद

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशन एवं सहायक आयुक्त आबकारी अभिषेक तिवारी के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग द्वारा मुखबिर की सूचना के आधार पर आज 25 अप्रैल 2026 को विधुर नगर क्षेत्र में प्रभावी कार्रवाई की गई। कार्यवाही के दौरान आरोपी संजय मिश्रा के निवास 102-B, विधुर नगर पर दबिश दी गई। जहाँ से अवैध रूप से संग्रहीत भांग बुरादा बरामद किया गया। मौके से कुल एक हजार 182 किलोग्राम भांग बुरादा आरोपी के कब्जे से जप्त किया गया,जिसका अनुमानित बाजार मूल्य 2 लाख 36 हजार 400 रुपए है। उक्त प्रकरण में आरोपी के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत मामला पंजीबद्ध कर विधिसम्मत कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है। यह कार्रवाई कंट्रोलर देवेश चतुर्वेदी, डिप्टी कंट्रोलर मनोज अग्रवाल, सहायक जिला आबकारी अधिकारी राघवेंद्र कुशवाह एवं कमलेश सोलंकी (उड़न दस्ता प्रभारी) के नेतृत्व में संपन्न हुई। कार्यवाही में आरक्षक मुकेश रावत एवं अजय का विशेष योगदान रहा।

खंडवा में पशुओं की चर्बी पिघलाकर होटल चाकलेट, घी फैक्ट्रियों को सप्लाई, भेजा जेल

खंडवा ■

खंडवा में निगम के ट्रेड लाइसेंस के नाम पर तेल कंपनी का बोर्ड लगाकर पशुओं की चर्बी बनाने की फैक्ट्री लंबे समय से चल रही थी प्रशासन की छापामार कार्रवाई में कनस्टर में 1380 लीटर चर्बी, 9 ड्रम में 2700 लीटर केमिकल समेत कई क्विंटल पशुओं का अपशिष्ट बरामद किया गया है।

इमलीपुरा में पशुओं की चर्बी पिघलाने और मांस के कारोबार की अवैध फैक्ट्री पकड़ी है। ये फैक्ट्री लंबे समय से संचालित हो रही थी। शुक्रवार को अफसरों की छापामार कार्रवाई के दौरान बड़ी मात्रा में पशुओं की चर्बी बरामद की गई है। जिसमें पशुओं की खाल व हड्डियां, सींग और अन्य अपशिष्ट जब्त किया है। इसमें 1380 लीटर चर्बी, 2700 लीटर अज्ञात केमिकल समेत छोटे-छोटे 7 ट्रक पशुओं के अपशिष्ट जब्त किए है। कार्रवाई सुबह 7.50 से दोपहर एक बजे तक चली। इसकी सूचना से इमलीपुरा में अफरा-तफरी रही। जिला प्रशासन को बेगम पार्क के सामने अवैध फैक्ट्री की शिकायत मिली थी।

अवैध फैक्ट्री में पशुओं का पिघला रहा था चर्बी

सिटी मजिस्ट्रेट बजरंग बहादुर सिंह और निगम उपायुक्त एसआर सिटोले मौके पर पहुंचे। पुष्टि होने पर पुलिस बल बुला लिया। इस दौरान ट्रेड लाइसेंसी अनवर कुरैशी ने अपने वकील के जरिए दस्तावेज दिखाते हुए लाइसेंस रिन्युअल कराने की मोहलत मांगी। सिटी मजिस्ट्रेट ने कहा इसकी अवधि 31 मार्च -23 को ही खत्म हो चुकी है। पुलिस बल के साथ गोदाम के भीतर घुसे तो चर्बी पिघलाने की फैक्ट्री का भंडाफोड़ हुआ। मोहल्ले में ही दो अलग-अलग घरों में 600 से अधिक जानवरों की खाल, 200 बोरी से अधिक सॉल्ट के साथ करीब 7 मिनी ट्रक सामग्री जब्त की गई है। यहां चर्बी बनाने की भट्ठी, बर्तन भी मिले हैं। पशु चिकित्सकों की 3 सदस्यीय टीम ने 4 प्रकार का 8 सैंपल लिया है। जिसमें स्किन, फैट, क्षतिग्रस्त कार्टिलेज (हड्डियों के सिरे के ऊपरी मांस ढकने वाली झिल्ली) अवशेषों के साथ ही ड्रम में भरे अज्ञात केमिकल के 2-2 नमूने लिए। डॉ. कड़वा चौहान ने बताया कि नमूनों की जांच फोरेंसिक लैब मथुरा (यूपी) भेजा दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद पता चलेगा।

अन्य संबंधित सामग्री

3 साल पहले लाइसेंसखत्म, लापरवाह बने रहे निगम ने स्लाटरहाउस से पशुओं का अपशिष्ट क्रय-विक्रय का लाइसेंस शेख अनवर को दिया है। जो वर्ष 2023 में ही समाप्त हो चुका है। बावजूद इसके अवैध रूप से पशु अपशिष्ट गोदाम रखने की बजाय पशुओं की ट्रेड लाइसेंस के नाम पर प्रोसेसिंग कर रहा था। आवासीय क्षेत्र में तीन साल से अवैध फैक्ट्री संचालित हो रही थी। जिम्मेदार लापरवाह बने रहे।

थाने में प्राथमिक दर्ज, भेजा जेल

निगम उपायुक्त ने मोघट थाने में आवेदन दिया है। जिसमें कार्रवाई का जिक्र करते हुए संचालक फर्म शेष अनवर पर पशु परिक्षण अधिनियम उल्लंघन और पशुओं की चर्बी पिघलाने और मांस का अवैध कारोबार किया जा रहा। उपायुक्त ने इसके लिए जोन प्रभारी भुवन श्रीमाली को नियुक्त किया है। आवेदन के अनुसार परदेशीपुरा निवासी शेख अनवर पिता शेष बिस्मिल कुरैशी के नाम पुलिस ने प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कर ली है। आरोपी अनवर और उसके अन्य साथियों से देरात तक पूछताछ करती रही। सुबह जेल भेज दिया गया।

एमपी के 4 जिलों में स्कूलों की छुट्टी... 30 अप्रेल तक घोषित किया अवकाश

भोपाल ■

मध्यप्रदेश में गर्मी के तेवर और तीखे हो गए हैं। गर्म हवाओं और बढ़ते तापमान ने दिनभर लोगों को बेहाल रखा। हालांकि मौसम विभाग ने अभी लू की आधिकारिक स्थिति से इनकार किया है, लेकिन हालात लू जैसे महसूस होने लगे हैं। राजधानी में भी पारा 41.7 डिग्री पर पहुंचा, रात भी जमकर तपी। खास बात यह है कि पहली बार हवाओं में तेज गर्माहट साफ महसूस की गई, जिसने लोगों की परेशानी और बढ़ा दी। मौसम विभाग का अनुमान है कि 30 अप्रैल तक तापमान और बढ़ेगा और लू की स्थिति बन सकती है। ऐसे में स्कूलों के लिए भी अलर्ट जारी किया गया है। भीषण गर्मी के कारण प्रदेश के 4 जिलों में स्कूलों में अवकाश घोषित कर दिया गया है।

मौसम विभाग के अलर्ट को देखते हुए प्रदेश का शिक्षा विभाग भी स्कूली बच्चों की सुरक्षा के लिए सक्रिय हो गया है। अलर्ट का हवाला देते हुए विभाग ने स्कूलों को निर्देश दिया है कि आउटडोर असेंबली को सीमित किया जाए या इसे छायादार स्थानों पर कराया जाए। किसी भी हाल में खुले में कक्षाएं न लगाई जाएं। शिक्षा विभाग ने स्कूलों में वॉटर बेल सिस्टम पर भी जोर दिया है। स्कूलों से स्टूडेंट को पानी पीते रहने की सलाह देने को कहा गया है। इसके लिए हर 45-60 मिनट में घंटी बजाकर स्टूडेंट्स को पानी पीने की याद दिलाने के निर्देश भी दिए गए हैं।

जबलपुर, दमोह, रतलाम: नर्सरी से पांचवीं- 30 अप्रेल तक अवकाश, पन्ना: 6वीं से 8वीं तक 30 अप्रेल तक अवकाश। नर्सरी से 5वीं तक छुट्टी पहले से घोषित है।

भीषण तपिश को देखते हुए कई जिलों के स्कूलों में छोटी कक्षाओं का अवकाश घोषित किया गया है। जबलपुर, दमोह, रतलाम जिलों में नर्सरी से पांचवीं कक्षाओं तक 30 अप्रेल तक अवकाश घोषित किया गया है। पन्ना जिले में स्कूलों में 6वीं से 8वीं क्लास तक 30 अप्रेल तक अवकाश दिया गया है। नर्सरी से 5वीं तक छुट्टी पहले से घोषित है।

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के आधार पर कक्षा 6 से वोकेशनल एजुकेशन को बढ़ावा- इधर स्कूलों में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के आधार पर कक्षा 6 से वोकेशनल एजुकेशन को बढ़ावा दिया जाना है। इसका कोर्स राजधानी में तैयार हो रहा है। इसके लिए शिक्षकों को ट्रेनिंग प्रोग्राम के साथ नवाचार के सेशन कराए जा रहे हैं। उसी के तहत राजधानी में वोकेशनल एजुकेशन इंस्टीट्यूट में दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ। इसमें एक्सपर्ट डिजिटलाइजेशन को बढ़ावा देने के नए तरीके के बारे में बताया। कार्यशाला में 26 राज्यों से 200 प्रतिभागी शामिल हुए।

नौकरी व सब्जेक्ट चुनने में ऐप करेगा मदद

स्किल डेवलपमेंट और करियर चुनाव में डिजिटल माध्यमों का उपयोग होगा। ऐप के माध्यम से करियर, सब्जेक्ट और नौकरी का चुनाव किया जा सकेगा।

उज्जैन में व्यापारिक रंजिश ने ली जान, लात-घूंसों से पीटकर व्यापारी की हत्या, आरोपी हुआ फरार

उज्जैन ■

उज्जैन के बड़नगर तहसील में अनाज व्यापारियों के बीच हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया, जिसमें 65 वर्षीय व्यापारी की मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में हत्या का प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

टीआई अशोक कुमार पाटीदार के अनुसार, मृतक राजेंद्र कुमार उर्फ राजू (65) पिता सौभागमल लोढ़ा, व्यास कॉलोनी निवासी थे और तुलसी वेयरहाउस के पास अनाज खरीदने का व्यवसाय करते थे। उनकी दुकान के पास ही नीलेश शाह (निवासी सदर) और आदर्श शाह (निवासी ग्राम पलदूना, इंगोरिया) की भी दुकानें संचालित हैं। शनिवार सुबह करीब 9:15 बजे एक ग्राहक से अनाज खरीदने को लेकर दोनों पक्षों में विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद मारपीट में बदल गया। आरोप है कि नीलेश शाह और आदर्श शाह ने राजेंद्र कुमार के साथ लात-घूंसे से मारपीट की, जिससे उनकी छाती में गंभीर चोट आई और वे मौके पर ही गिर पड़े। मौजूद लोगों ने उन्हें तत्काल गुप्ता अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद शव को सिविल अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों की पैनल ने पोस्टमार्टम किया।

चार बच्चे पैदा करो, एक आरएसएस को दो कथावाचक धीरेंद्र शास्त्री का बेतुका बयान

छतरपुर/नागपुर ■

नागपुर में आयोजित भारत दुर्गा मंदिर के शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान बागेश्वर बाबा अथवा कथावाचक धीरेंद्र शास्त्री ने एक विवादित बयान दिया, जिसकी चर्चा तेज हो गई है। कार्यक्रम में उन्होंने लोगों से चार बच्चे पैदा करने और उनमें से एक को आरएसएस के लिए समर्पित करने की बात कही। इस दौरान मंच पर आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत, सीएम देवेंद्र फडणवीस और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी सहित कई प्रमुख हस्तियां मौजूद थीं।

संघ की प्रशंसा करते हुए की अपील- मशहूर कथावाचक और बागेश्वर धाम सरकार धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कार्यक्रम के दौरान आरएसएस की प्रशंसा की। संबोधन में उन्होंने

कहा कि लोग चार बच्चे पैदा करें और उनमें से एक स्वयंसेवक संघ को दें। उनके इस बयान के बाद राजनीतिक और सामाजिक हलकों में चर्चा शुरू हो गई है। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत स्वयं मौजूद थे। उनके अलावा महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी तथा कई साधु-संत भी कार्यक्रम में शामिल हुए। ऐसे मंच से दिया गया यह विवादित बयान सार्वजनिक विमर्श का विषय बन गया है।

छत्रपति शिवाजी महाराज को लेकर भी कही बात

धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने अपने संबोधन में छत्रपति शिवाजी महाराज का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज युद्ध करते-करते थक गए थे। उनके अनुसार, वे समर्थ रामदास स्वामी के पास गए और कहा कि अब युद्ध नहीं करना चाहते तथा मुकुट और सत्ता सौंपना चाहते हैं। इस पर समर्थ रामदास स्वामी ने कहा कि शिष्य का कर्तव्य गुरु के आदेशों का पालन करना है, इसलिए सत्ता आप ही संभालें।

ड्रोन निगरानी से अवैध रेत उत्खनन का भंडाफोड़, 7 ट्रैक्टर-ट्राली जब्त

बालाघाट ■

बालाघाट में अवैध रेत उत्खनन के खिलाफ पुलिस ने एक बड़ी और सुनियोजित कार्रवाई को अंजाम दिया। शनिवार सुबह बैनगंगा नदी के गोंगलईघाट क्षेत्र में पुलिस ने ड्रोन की मदद से छापा मारकर रेत से भरे सात ट्रैक्टर-ट्राली जब्त किए। खास बात यह रही कि ऑपरेशन को पूरी तरह गोपनीय रखा गया था, यहां तक कि स्थानीय थाना प्रभारी को भी इसकी जानकारी नहीं थी। इस कार्रवाई की रणनीति एसपी आदित्य मिश्रा ने तैयार की थी। अभियान सुबह करीब 7 बजे शुरू होकर दोपहर 1 बजे तक चला।

कार्रवाई से पहले पुलिस ने ड्रोन के जरिए पूरे इलाके की निगरानी कर अवैध उत्खनन की सटीक लोकेशन जुटाई। इसके बाद निरीक्षक कामेश धूमकेती के नेतृत्व में छह अलग-अलग टीमें गठित की गईं, जिनमें विभिन्न थानों के पुलिसकर्मी और साइबर सेल के सदस्य शामिल थे। प्रत्येक टीम में करीब 10 से 12 जवान तैनात किए गए। जैसे ही रेत माफिया नदी से रेत भरने लगे, पुलिस ने एक साथ घेराबंदी कर छापा मार दिया।

अंत्योदय का संकल्प अमृतकाल का प्रतिबिंब एवं विकसित भारत-2047 पर हुआ चिंतन शिविर

भोपाल ■

केन्द्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा शुक्रवार को केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के ललित होटल में ङ्कअंत्योदय का संकल्प, अमृतकाल का प्रतिबिंब एवं विकसित भारत@2047ङ्क को समर्पित चिंतन शिविर के भव्य उद्घाटन समारोह में मध्यप्रदेश के सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाहा ने सहभागिता की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पंजाब के राज्य पाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद्र कटारिया जी उपस्थित रहे। उनके साथ केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार खटीक एवं केंद्रीय राज्यमंत्री श्री बी.एल. वर्मा भी मौजूद रहे।

यह चिंतन शिविर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संवेदनशील और समावेशी विकास के विजन को समर्पित है, जिसमें वंचित, पिछड़े, दिव्यांग एवं समाज के अंतिम पंक्ति में बैठे अंतिम व्यक्ति तक सामाजिक न्याय पहुंचाने का संकल्प दोहराया गया। उद्देश्य केवल नीतियां बनाना नहीं, बल्कि हर जरूरतमंद नागरिक को राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा से जोड़ना है। सामाजिक न्याय, समान अवसर और सबका साथ-सबका विकास ही विकसित भारत@2047 की मजबूत नींव है। इस चिंतन शिविर में हरियाणा के सामाजिक न्या य और अधिकारिता मंत्री श्री कृष्ण बेदी, त्रिपुरा के अनुसूचित जाति कल्याकण मंत्री श्री सुधांशु दास, मिजोरम के समाज कल्या,ण मंत्री श्री पी. लालरिनपुई, दिल्ली के समाज कल्याशण मंत्री श्री रविन्द्मर सिंह, उत्तर प्रदेश के पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री श्री नरेन्द्रक कश्यप, उत्तर प्रदेश के समाज कल्या ण एवं अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति कल्याण मंत्री श्री असीम अरुण, केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग के सचिव श्री सुधांश पंत एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की सचिव श्रीमती वी. विद्यावती आदि उपस्थित रहे।

जंक्शन से कई दिशाओं के लिए विशेष ट्रेनों का संचालन और विस्तार

सागर। यात्रियों की बढ़ती भीड़ और गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने कई स्पेशल ट्रेनों के संचालन की अवधि में विस्तार करने व कुछ वन-वे एवं अनारक्षित स्पेशल ट्रेनों को चलाने का निर्णय लिया है। इन सभी प्रमुख ट्रेनों का स्टॉपेज जंक्शन पर भी दिया गया है, जिससे क्षेत्र के यात्रियों को सीधे लंबी दूरी की यात्रा की सुविधा मिलेगी। रेलवे ने 01079/01080 छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-गोरखपुर जंक्शन दैनिक स्पेशल ट्रेन के संचालन की अवधि बढ़ाई गई है। 01079 सीएसएमटी से 15 मई से 15 जुलाई तक व 01080 गोरखपुर से 17 मई से 17 जुलाई तक कुल 62-62 ट्रिप चलेगी। यह ट्रेन बीना जंक्शन पर गोरखपुर की ओर जाते समय शाम 6.15 बजे व वापसी में सुबह 6.10 बजे रुकेगी। यह ट्रेन दादर, ठाणे, कल्याण, नासिक, मनमाड़, भुसावल, खंडवा, इटारसी, भोपाल, झांसी, कानपुर और लखनऊ जैसे प्रमुख स्टेशनों पर रुकेगी।

हेलमेट पर सख्ती: आज से चलाया जाएगा विशेष अभियान, लाइसेंस होगा निलंबित

भोपाल ■

राजधानी भोपाल सहित पूरे मध्यप्रदेश में बढ़ते सड़क हादसों और दोपहिया चालकों की लापरवाही को देखते हुए पुलिस ने सख्त रुख अपनाया है। पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) के निर्देश पर 26 अप्रैल से 10 मई 2026 तक प्रदेशभर में हेलमेट विशेष चेकिंग अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान हेलमेट नहीं पहनने वाले चालकों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही बार-बार नियमों का उल्लंघन करने वालों के ड्राइविंग लाइसेंस निलंबन तक की कार्रवाई भी हो सकती है।

पुलिस प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान (पीटीआरआई) के एडीजी विवेक शर्मा ने भोपाल और इंदौर के पुलिस आयुक्तों समेत सभी जिलों के

पुलिस अधीक्षकों को पत्र जारी कर अभियान को सख्ती से लागू करने के निर्देश दिए हैं। जिलों में इस अभियान की मॉनिटरिंग एसपी स्तर के अधिकारी करेंगे।

बढ़ते हादसों के चलते सख्ती

एडीजी शर्मा के अनुसार, प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं का एक बड़ा कारण ट्रैफिक नियमों की अनदेखी और हेलमेट का उपयोग न करना है। आंकड़ों के मुताबिक, सड़क हादसों में मरने वालों में लगभग 50 प्रतिशत दोपहिया चालक होते हैं, जिनमें अधिकांश ने हेलमेट नहीं पहना होता। इसी को ध्यान में रखते हुए अभियान के दौरान हेलमेट न पहनने वालों पर जुर्माना लगाया जाएगा। साथ ही पीओएस मशीन के माध्यम से मौके पर ही लाइसेंस निलंबित करने की कार्रवाई भी की जा सकती है। पुलिस का उद्देश्य केवल दंड देना नहीं, बल्कि लोगों को नियमों के पालन के प्रति जागरूक करना है। अभियान के तहत स्कूलों, कॉलेजों और सार्वजनिक स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएंगे। सोशल मीडिया और लघु वीडियो के जरिए भी लोगों को ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूक किया जाएगा। पुलिस मुख्यालय ने स्पष्ट किया है कि अभियान का उद्देश्य सिर्फ चालान करना नहीं, बल्कि लोगों की सोच में बदलाव लाना है, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके।

वसुधैव कुटुंबकम बनाम बटर चिकन सुनामी-दो दृष्टिकोणों का टकराव

वैश्विक संबंधों में कई बार ऐसे क्षण आते हैं जो नीतियों से अधिक भाषा के प्रभाव को उजागर करते हैं, और

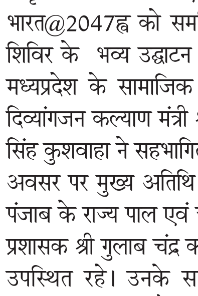

प्रो. आरके जैन
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

अप्रैल 2026 की यह घटना इसी का उदाहरण है। एक ओर न्यूजीलैंड है-लगभग 52 लाख आबादी वाला विकसित, लेकिन छोटा द्वीप राष्ट्र; दूसरी ओर भारत है-140 करोड़ से अधिक जनसंख्या वाला उभरता वैश्विक शक्ति केंद्र। वर्षों की बातचीत के बाद तैयार मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) दोनों देशों के बीच सहयोग और व्यापार विस्तार का बड़ा अवसर माना जा रहा था। परंतु इसी संवेदनशील समय में न्यूजीलैंड के मंत्री शेन जोन्स द्वारा इसे बटर चिकन सुनामी कहना केवल असहमति नहीं रहा, बल्कि इसने पूरे कूटनीतिक संतुलन को झकझोरते हुए विवाद की एक नई लहर खड़ी कर दी।

यह टिप्पणी केवल राजनीतिक असहमति नहीं थी, बल्कि उस दृष्टिकोण को दर्शाती है जिसमें व्यापारिक संबंधों को सांस्कृतिक पूर्वाग्रह से जोड़ा गया। बटर चिकन-जो भारतीय भोजन और सांस्कृतिक पहचान का वैश्विक प्रतीक है-को सुनामी जैसे विनाशकारी शब्द से जोड़ना संवेदनशीलता की कमी को उजागर करता है। इस मुक्त व्यापार समझौते के तहत न्यूजीलैंड को भारत जैसे विशाल बाजार में 95 प्रतिशत निर्यात पर शुल्क मुक्त या काफी कम पहुंच मिलने वाली थी। ऊन, मांस, वन उत्पादों और कुछ अन्य वस्तुओं पर टैरिफ घटने या खत्म होने से निर्यात बढ़ता। बदले में भारत से वस्तुओं, सेवाओं और कुशल प्रवासियों के अवसर भी खुलते। न्यूजीलैंड सरकार ने इसे ङ्कएक पीढ़ी में एक बार मिलने वाला अवसरङ्क माना था। इस बहस के केंद्र में एनजेड फर्स्ट और उसके नेता शेन जोन्स रहे, जिन्होंने इस समझौते को अनियंत्रित प्रवासन का खतरा बताया। उनका कहना था कि इससे सड़कें जाम हो सकती हैं, अस्पतालों पर दबाव बढ़ सकता है और सार्वजनिक सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं। यह चिंता स्थानीय असंतोष को दर्शाती है, क्योंकि कई देशों में प्रवासन पर ऐसी चर्चाएं होती रही हैं, लेकिन इसे जिस तरह प्रस्तुत किया गया, वह विवादास्पद बन गया। न्यूजीलैंड में प्रवासन पर बहस पहले से जारी है। आवास की कमी, बढ़ती जनसंख्या और सीमित संसाधन असंतोष को बढ़ाते हैं। इसके बावजूद भारतीय समुदाय वहां अर्थव्यवस्था का आधार है, जो स्वास्थ्य, आईटी, शिक्षा और व्यापार में अहम योगदान दे रहा है। इस विवाद में सोशल मीडिया पर भारतीय समुदाय की प्रतिक्रिया ने स्थिति स्पष्ट कर दी। लोगों ने कहा-ङ्कहम बटर चिकन नहीं, बल्कि डॉक्टर, इंजीनियर और उद्यमी हैं।ङ्क यह उनकी सामाजिक भूमिका का प्रतिबिंब था। इस बीच क्रिस्टोफर

लक्सन ने बयान को अनहेल्पफुल, अलार्मिस्ट और भ्रामक अतिरंजना बताया, लेकिन उसे खुलकर नस्लवादी कहने से परहेज किया। यह रुख उनके राजनीतिक संतुलन को दर्शाता है। वहीं लेबर पार्टी ने मुक्त व्यापार समझौते के समर्थन के संकेत दिए, जिससे स्पष्ट हुआ कि आर्थिक हित कई बार राजनीतिक मतभेदों से आगे निकल जाते हैं। यह घटनाक्रम न्यूजीलैंड की आंतरिक राजनीति में विभाजन को भी उजागर करता है। बटर चिकन महज एक व्यंजन नहीं, बल्कि भारतीय सांस्कृतिक पहचान का मजबूत प्रतीक है। जैसे पिज्जा इटली की और सुशी जापान की वैश्विक पहचान बन चुकी है, वैसे ही बटर चिकन भारत की खाद्य संस्कृति और सॉफ्ट पावर का प्रतिनिधित्व करता है। ऐसे में इसे सुनामी जैसे विनाशकारी शब्द से जोड़ना केवल हल्का मजाक नहीं माना गया, बल्कि इसे सांस्कृतिक असम्मान के रूप में देखा गया। कूटनीति में प्रतीकों और शब्दों की भूमिका बेहद निर्णायक होती है, क्योंकि एक शब्द, एक इशारा या एक रूपक भी देशों के संबंधों की दिशा बदल सकता है। इतिहास भी यह दिखाता है कि कई बार छोटे और असावधान बयान बड़े अंतरराष्ट्रीय विवादों की वजह बन चुके हैं। भारत सरकार ने इस पूरे मामले पर औपचारिक रूप से कोई तीखी प्रतिक्रिया नहीं दी, जो उसकी संतुलित और परिपक्व कूटनीतिक शैली को दर्शाता है। हालांकि भारतीय मीडिया और प्रवासी समुदाय ने स्पष्ट रूप से यह संदेश दिया कि सम्मान के साथ कोई समझौता स्वीकार्य नहीं है। भारत की वसुधैव कुटुंबकम् की भावना-जहां संपूर्ण विश्व को एक परिवार माना जाता है-ऐसी परिस्थितियों में और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। यह दृष्टिकोण केवल एक आदर्श नहीं, बल्कि भारत की व्यवहारिक और दीर्घकालिक कूटनीति का आधार भी है। शेन जोन्स ने बाद में अपने बयान को हाइपरबोली यानी अतिशयोक्ति बताया, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि उनका उद्देश्य बहस को तेज करना और ध्यान आकर्षित करना था। लेकिन सवाल यही है-क्या राजनीतिक लाभ के लिए अंतरराष्ट्रीय संबंधों में इस प्रकार की असंवेदनशीलता को अनदेखा सही ठहराई जा सकती है? लोकलुभावन राजनीति अक्सर डर, असुरक्षा और पहचान की चिंताओं पर आधारित होती है। प्रवासन और संस्कृति जैसे मुद्दे इसमें प्रमुख भूमिका निभाते हैं। पर जब यही राजनीति अंतरराष्ट्रीय संबंधों को प्रभावित करने लगे, तो यह गंभीर चिंता का विषय बन जाती है। व्यापार समझौते केवल आर्थिक दस्तावेज नहीं होते, बल्कि वे आपसी विश्वास और पारस्परिक सम्मान की मजबूत नींव पर टिके होते हैं। यदि यह आधार कमजोर पड़ जाए, तो सबसे लाभकारी और दूरगामी समझौते भी प्रभावित होकर असफल हो सकते हैं। इसलिए, भारत और न्यूजीलैंड दोनों को इस विवाद को टकराव नहीं, बल्कि संवाद के माध्यम से हल करने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। प्रवासन नीतियों में संतुलन बनाए रखते हुए, सांस्कृतिक आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करना और आर्थिक सहयोग को और मजबूत करना ही भविष्य के लिए सही और स्थायी मार्ग होगा। बटर चिकन सुनामी सिर्फ एक वाक्य नहीं, बल्कि यह स्पष्ट संकेत है कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों में शब्दों की शक्ति कितनी निर्णायक होती है। यह घटना बताती है कि एक टिप्पणी भी कूटनीति, व्यापार और समाज-तीनों पर गहरा प्रभाव डाल सकती है। इससे मिलने वाली सबसे बड़ी सीख यही है कि वैश्विक नेताओं को अपने शब्दों में अधिक जिम्मेदारी और संवेदनशीलता रखनी चाहिए। अंततः, यह तय करना दोनों देशों के हाथ में है-क्या वे इस सुनामी को विवाद की लहर बनने देंगे, या इसे सहयोग और समझ की नई धारा में बदल देंगे।]

(नोट: इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

सीएमओ में बड़ा फेरबदल, एमपी की नई टीम तैयार, कुछ अफसर रहेंगे सीएम के खास

भोपाल ■

मुख्यमंत्री के अफसरों की टीम में आइएएस कौशलेंद्र विक्रम सिंह और सुधीर कोचर के शामिल होने के बाद अपर मुब्य सचिव (एसीएस) नीरज मंडलोई ने नए सिरे से कामों का बंटवारा किया है। मुख्यमंत्री के एसीएस मंडलोई मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ओवरऑल मुखिया तो हैं ही, साथ ही विधानसभा चुनाव 2028 के पहले होने वाले सिंहस्थ को सफल बनाने का जिम्मा भी उन्होंने स्वयं रखा है। जबकि सचिव आलोक सिंह को कृषक कल्याण वर्ष की जिम्मेदारी दी है।

अभी तक यह जिम्मेदारी किसी के पास नहीं थी। सचिव कौशलेंद्र विक्रम सिंह को मुख्यमंत्री कार्यालय में विजिलेंस शाखा का प्रभारी बनाकर बड़ा दायित्व सौंपा है। साथ ही गंभीर श्रेणी की शिकायतों के निराकरण और सूचनाओं पर कार्यवाही प्रतिवेदन का जिम्मा भी दिया है। गुरुवार को जारी आदेश में सीएम दफ्तर में 20 से अधिक अफसरों को जिम्मेदारी देते हुए नए सिरे से जमावट की गई।

मुख्यमंत्री के विशेष अधिकारियों को भी जिम्मा

एमपी के मुख्यमंत्री के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी अजात शत्रु श्रीवास्तव, राजेश हिंगणकर, अपर सचिव मनीष पांडेय, उप सचिव आदित्य कुमार शर्मा, अवर सचिव संदीप अष्ठाना, अवर सचिव आशीष कुमार, श्रीलेखा श्रोतिय, आशुतोष गोस्वामी, केवलराम धुर्वे, विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी आलोक सोनी, आशीष खरे, कविराज मेहरा को भी अलग-अलग जिम्मा सौंपा गया है।

ये सीएम के खास

- नीरज मंडलोई एसीएस, मुख्यमंत्रीः मुख्यमंत्री से जुड़े सभी कामों का दायित्व, इंदौर व उज्जैन के प्रशासनिक कामों का भी जिम्मा।

- आलोक सिंह सचिव, मुख्यमंत्री कैबिनेट बैठक, सीएम का भ्रमण कार्यक्रम, नियुक्ति, विधानसभा, सागर-भोपाल, नर्मदापुरम से समन्वय।
- डॉ. इलैया राजा टी सचिव, मुख्यमंत्रीः केंद्रीय मंत्री-सांसदों के पत्राचार, सीएम का दिल्ली भ्रमण, केंद्र व राज्य के लंबित मामलों में समन्वय।
- चंद्रशेखर वालिम्बे सचिव, मुख्यमंत्रीः सीएम के भ्रमण कार्यक्रम, स्वेच्छानुदान, मुलाकातस संवाद, जबलपुर, रीवा व शहडोल से समन्वय।

इन नए अफसरों को भी सौंपी जिम्मेदारियां

- सीएमओ में आए कौशलेंद्र विक्रम सिंह और सुधीर कोचर को भी जवाबदेही दी है। बता दें, बीते माह ही उनकी पदस्थापना सीएमओ में की गई थी।
- कौशलेंद्र विक्रम सिंह, सचिवः को सीएम कार्यालय में विजिलेंस शाखा का प्रभारी के साथ ही गंभीर शिकायतों के निराकरण और कार्यवाही प्रतिवेदन का जिम्मा, घोषणा पत्रों की निगरानी, सीएम डैशबोर्ड से जुड़े तमाम पोर्टल, वेबसाइट व आत्मनिर्भर मप्र की निगरानी।
- सुधीर कोचर, उप सचिवः सचिव चंद्रशेखर वालिम्बे को सीएमओ में आवंटित कामों में सहयोग करना, मुख्यमंत्री के भ्रमण कार्यक्रमों की तैयारी कराना, सीएम हेल्पलाइन, समाधान ऑनलाइन आदि काम।

मुख्यमंत्री के दफ्तर में ये अफसर करेंगे सरकारी योजनाओं की निगरानी

- सीएम दफ्तर में गुरुवार को दो दर्जन से अधिक अफसरों को जिचमेदारी बांटी गई। इनमें कुछ पुराने तो कुछ नए अफसरों को भी कार्यभार दिया है।
- चंद्रमौली शुक्ला, अवर सचिवः निवेश से जुड़े काम, उद्योगपतियों व निवेशकों की मुख्यमंत्री से मुलाकात, निवेश प्रकरणों का निराकरण, निवेश बैठकें, भ्रमण आदि
- विभागीय काम।
- अरविंद दुबे, अपर सचिवः प्रगति पोर्टल व राज्य की विभिन्न परियोजनाओं की समीक्षा, प्रगति की निगरानी, बड़े प्रोजेक्टों की निगरानी, विभागों के लंबित मामलों को मुख्यमंत्री के सामने रखना।
- अरुण परमार, अपर सचिवः एसीएस मंडलोई के कामों में सहयोग, ई-ऑफिस से जुड़े काम, विभिन्न विभागों से स्थानांतरण, पदस्थापना से जुड़े प्रकरण, मंत्री परिषद की तैयारियां, मुख्यमंत्री की बैठक के लिए चर्चा के बिंदु प्राप्त करना, मुख्यमंत्री द्वारा ली जाने वाली बैठकों का कार्यवाही विवरण लेकर एसीएस को प्रेषित करना, कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस की तैयारियों से जुड़े काम सौंपे गए।
- लक्ष्मण सिंह मरकाम, अपर सचिवः तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार सृजन, पर्यटन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, ग्रामीण विकास, जनजातीय कल्याण विभाग से जुड़े काम सीएमओ में दिए गए हैं।

संदीप केरकेट्टा, उप सचिवः सचिव आलोक सिंह को सौंपे कामों में सहयोग करना। ए-प्लस व ए मॉनिट के आवेदनों को एसीएस के सामने प्रस्तुत करने जैसे काम मुख्यमंत्री के दफ्तर में दिए गए हैं।

एमपी में टीचर्स के अवकाश पर बड़ा अपडेट, स्कूल शिक्षा विभाग को भेजा प्रस्ताव

भोपाल ■

एमपी में टीचर्स के अवकाश पर बड़ा अपडेट सामने आया है। शिक्षकों ने जनगणना ड्यूटी के बदले अर्जित अवकाश मांगा है। राजधानी भोपाल के शिक्षकों ने समर वेकेशन के लिए दिल्ली मॉडल पर अवकाश देने की मांग की है। इसके लिए स्कूल शिक्षा विभाग को प्रस्ताव भेजा गया है।

राजधानी भोपाल के टीचर्स ने दिल्ली के मॉडल पर समर वेकेशन मांगा है। यह उन शिक्षकों के लिए है, जिनकी ड्यूटी जनगणना में लगी है। ग्रीष्मकालीन छुट्टी में टीचर्स जनगणना का काम करेंगे। इसके बदले शिक्षकों ने अर्जित अवकाश देने की मांग रखी है। इस तरह की व्यवस्था दिल्ली में की गई है। जनगणना ड्यूटी को अर्जित अवकाश में बदलने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग से टीचर्स ने मांग की है। स्कूलों में एक मई से छुट्टी शुरू होने जा रही है। समर वेकेशन के तहत डेढ़ माह स्कूल बंद रहेंगे। इस बीच राजधानी में दो हजार शिक्षकों को जनगणना करनी है। शासकीय शिक्षक संगठन के प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र कौशल ने बताया कि दिल्ली सरकार ने जनगणना ड्यूटी में लगे शिक्षकों को अवकाश के दिनों में काम के बदले अर्जित अवकाश के निर्देश जारी किए। प्रदेश में भी इस आधार पर इंतजाम की बात कही जा रही है। मामले में लोक शिक्षण संचालनालय आयुक्त को पत्र दिया जाएगा। मप्र शिक्षक संगठन का कहना है कि दिल्ली में शिक्षकों को समर वेकेशन के बदले अर्जित अवकाश मिलेंगे। इसके निर्देश हो चुके हैं। इसी तर्ज पर प्रदेश में भी व्यवस्था लागू की जाए।

एमपी के बड़े अफसर ने दिया इस्तीफा, दो अधिकारियों की सीधी भिड़ंत से खलबली

भोपाल ■

अधिकारियों में अहम का टकराव कोई नई बात नहीं है। ऐसे मामले अक्सर होते रहते हैं पर मध्यप्रदेश में दो वरिष्ठ अफसरों के बीच आपसी लड़ाई इतनी बढ़ गई कि बात इस्तीफे पर पहुंच गई। एक अधिकारी कथित तौर पर गाली गलौज पर उतर आए जिससे गुस्साए और आहत दूसरे अधिकारी ने विभाग को अपना इस्तीफा भेज दिया। वरिष्ठ अधिकारी के इस्तीफे से पूरे विभाग में खलबली मच गई।

विभागीय अधिकारियों ने किसी तरह मामला शांत कराया। प्रदेश के जेल विभाग यह मामला टीकमगढ़ जेल से जुड़ा हुआ है जहां जेल अधीक्षक यजुवेंद्र बाघमारे और डिप्टी जेलर अश्विनी शुक्ला विभागीय जांच के एक मामले के दौरान भिड़ गए। डिप्टी जेलर ने तो

यजुवेंद्र बाघमारे

अश्विनी शुक्ला

जेल डीजी को इस्तीफा ही भेज दिया। इसमें डिप्टी जेलर शुक्ला ने जेल अधीक्षक बाघमारे पर गाली देकर बेइज्जत करने सहित कई आरोप लगाए। हालांकि डिप्टी जेलर शुक्ला के इस्तीफे को नामंजूर कर दिया गया है। जेल मुख्यालय के हस्तक्षेप के बाद मामले को शांत कराया गया वहीं मामले की जांच भी शुरू कर दी गई है।

ऐसे शुरू हुआ दोनों अधिकारियों के बीच विवाद,

टीकमगढ़ जेल में बंद एक कैदी को सागर जेल भेजा गया था। जहां से उसको जमानत मिल गई। जमानत पर छूटे बंदी ने टीकमगढ़ जेल में हुए बुरे बर्ताव की शिकायत अफसरों से की। जेल के उच्च अधिकारियों ने सागर के जेलर अधीक्षक मानवेंद्र सिंह परिहार को जांच सौंपी। जिसके बाद जांच प्रतिवेदन के लिए उन्होंने डिप्टी जेलर मनोज मिश्रा को अधिकृत किया। जांच रिपोर्ट के लिए डिप्टी जेलर मिश्रा टीकमगढ़ जेल पहुंचे। अधीक्षक की गैर मौजूदगी में वे डिप्टी जेलर शुक्ला के साथ चेंबर में गए। इस बीच अधीक्षक यजुवेंद्र बाघमारे पहुंचे और चेंबर में बैठने पर आपत्ति जताई। इस बात का विवाद इतना बढ़ गया कि अश्विनी शुक्ला ने इस्तीफा ही सौंप दिया। जेल डीजी जेल डीजी वरुण कपूर ने बताया, टीकमगढ़ जेल अधीक्षक और डिप्टी जेलर के बीच विवाद हुआ था। आवेश में आकर शुक्ला ने त्यागपत्र दिया। जेल मुख्यालय से चर्चा के बाद उन्होंने अपना त्यागपत्र वापस ले लिया है। प्रकरण की जांच डीआइजी को सौंपी गई है।

सिंधिया के स्वागत में उमड़े बीजेपी कार्यकताओं ने कुचली बच्ची, चीखती रह गई मासूम

ग्वालियर ■

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का स्वागत करने ग्वालियर रेलवे स्टेशन पहुंचे लोगों ने संवेदनहीनता की हद पार कर दी। बीजेपी कार्यकताओं धक्का मुक्की से एक बच्ची गिर गई। वह कार्यकताओं के पैरों तले दब गई।

इस दौरान वह बेचारी चीखती रही पर अफरातफरी के माहौल में किसी ने उसका दर्द नहीं देखा। मासूम बच्ची के साथ यह हादसा शुक्रवार रात हुआ। बच्ची के पिता ने किसी तरह से अपनी बेटी को बचाया। उन्होंने कहा कि मेरी बेटी नीचे दब गई थी, वह रोती-चिल्लाती पर स्वागत में उमड़ी भारी भीड़ में से किसी ने उसकी नहीं सुनी पड़ी। इधर कुछ बीजेपी कार्यकताओं ने कहा कि बच्ची को कुचला नहीं था। भीड़ में उसे धक्का लग गया था। बताया जा रहा है कि रात को ग्वालियर रेलवे स्टेशन पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के स्वागत के दौरान भारी भीड़ जुटने से अफरातफरी मच गई थी। पुलिस प्रशासन भीड़ को नियंत्रित नहीं कर सका। इस दौरान एक मासूम बच्ची कुचल गई। स्वागत करने आए कार्यकताओं के पैरों के नीचे उसका पैर दब गया। वह दर्द के कारण चिल्लाती रही। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ग्वालियर-चंबल संभाग के दौरे पर आए हैं। वे तीन दिवसीय प्रवास पर हैं। शुक्रवार रात ज्योतिरादित्य सिंधिया जैसे ही स्टेशन पर उतरे, उनका स्वागत करने आए कार्यकताओं का हुजूम उमड़ पड़ा। उनकी धक्का मुक्की और अफरातफरी में एक बच्ची नीचे गिर गई और दब गई। मासूम बच्ची को उसके पिता ने किसी तरह बचाया। बाद में उन्होंने बताया कि रात को केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के स्वागत में उमड़ी भीड़ की धक्का-मुक्की में मेरी बच्ची दब गई।

एमटी-6 का खौफः शिवपुरी में बाघिन के हमले से आदिवासी ग्रामीण की मौत

दतिया ■

शिवपुरी जिले के माधव टाइगर रिजर्व से एक बार फिर मानव-वन्यजीव संघर्ष की चिंताजनक घटना सामने आई है। यहां मादा टाइगर एमटी-6 के हमले में एक आदिवासी ग्रामीण की दर्दनाक मौत हो गई, जिसके बाद इलाके में भय और आक्रोश का माहौल है। घटना के विरोध में ग्रामीणों ने नरवर-शिवपुरी मार्ग पर चक्काजाम कर प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई।

जानकारी के अनुसार, ग्राम ऐरावन निवासी करीब 50 वर्षीय सरवन आदिवासी बीते दो दिनों से लापता थे। शुक्रवार शाम टाइगर ट्रैकिंग टीम को जंगल क्षेत्र में उनका शव बेहद क्षत-विक्षत हालत में मिला। घटनास्थल पर कपड़े, नहाने

का सामान और अन्य वस्तुएं मिलने से अंदेशा है कि वह नदी में स्नान करने गए थे, तभी घात लगाए बैठे टाइगर ने उन पर हमला कर दिया। शव की स्थिति अत्यंत भयावह थी। मृतक के शरीर के कुछ अंग ही मौके पर मिले, जबकि धड़ गायब था। प्रारंभिक जांच में स्पष्ट हुआ कि किसी बड़े जंगली शिकारी ने तेज दांतों से हमला किया है। पास ही एमटी-6 की लोकेशन मिलने से बाघिन के हमले की आशंका और मजबूत हो गई है, हालांकि अंतिम पुष्टि विस्तृत रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगी। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने शनिवार सुबह करीब 7 बजे नरवर-शिवपुरी मार्ग पर जाम लगा दिया, जिससे लगभग पांच घंटे तक यातायात पूरी तरह बाधित रहा। सूचना मिलते ही पुलिस, वन विभाग और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया। अंततः मुआवजे और सुरक्षा के ठोस आश्वासन के बाद दोपहर करीब 12 बजे जाम समाप्त हुआ। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, मृतक के परिजनों को 8 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और जल्द ही राशि उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया है।

वीआईटी भोपाल में टाइफाइड का तांडव, 15 दिन में 43 छात्र चपेट में

सीहोर ■

सीहोर जिले स्थित वीआईटी भोपाल यूनिवर्सिटी में टाइफाइड संक्रमण ने अचानक गंभीर रूप ले लिया है। महज 15 दिनों में 43 छात्रों के संक्रमित पाए जाने से पूरे कैंपस में हड़कंप मच गया है। शुरूआत में यह संख्या 28 थी, जो तेजी से बढ़कर 43 तक पहुंच गई। हालात ऐसे हैं कि लगभग हर दिन नए मरीज सामने आ रहे हैं, जिससे छात्रों और अभिभावकों में चिंता और आक्रोश दोनों बढ़ रहे हैं।

बीमारी का असर व्यापक होता जा रहा है। पिछले दो सप्ताह में 285 से अधिक छात्र इलाज के लिए अस्पताल पहुंच चुके हैं। शुक्रवार को करीब 15 छात्र तेज बुखार और कमजोरी की शिकायत लेकर चिरायु

मेडिकल कॉलेज पहुंचे। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें वापस भेज दिया गया, लेकिन लगातार बढ़ते मामलों ने स्वास्थ्य व्यवस्थाओं पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। अस्पताल के डायरेक्टर डॉ. अजय गोयनका के अनुसार, गुरुवार को 8 और शुक्रवार को 5 छात्रों की रिपोर्ट टाइफाइड पॉजिटिव आई, जबकि शनिवार को भी दो नए मामलों की पुष्टि हुई है। मैस पर उठे सवाल, फूड सैंपल जांच के दायरे मेंसंक्रमण के स्रोत का पता लगाने के लिए फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) ने कैंपस की मैस की जांच शुरू कर दी है। पनीर, छोले की सब्जी, पानी पुरी मसाला और पीने के पानी के सैंपल लेकर स्टेट फूड लैब भेजे गए हैं। मैस का संचालन मयूरी केटर्स, एबी केटरिंग और रेसन्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है, जिनकी कार्यप्रणाली अब जांच के घेरे में है। 22 अप्रैल को लिए गए सैंपल की रिपोर्ट 7 से 10 दिनों में आने की संभावना है। फूड सेफ्टी ऑफिसर ज्योति बंसल ने इसकी पुष्टि की है। यदि रिपोर्ट में गड़बड़ी पाई जाती है, तो मामला और गंभीर हो सकता है। जहां एक ओर छात्र लगातार बीमार हो रहे हैं, वहीं विश्वविद्यालय प्रबंधन इस स्थिति को अफवाह बताते हुए सामान्य बीमारी करार दे रहा है।

गाय या भैंस? भोपाल स्लॉटर हाउस विवाद में उलझी जांच, नया ट्विस्ट चौंकाने वाला

भोपाल ■

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में नगर निगम से जुड़े चर्चित स्लॉटरहाउस विवाद में अब एक नया मोड़ आ गया है। पुलिस ने कोर्ट में दाखिल की चार्जशीट में अहम सबूत को लेकर साफ कह दिया है कि जब्त किया गया 26.5 टन मांस अब भरोसेमंद नहीं रह गया, क्योंकि इसे आरोपियों को वापस सौंप दिया गया था।

बताते चलें कि भोपाल का स्लॉटरहाउस विवाद तब सामने आया था, जब दिसंबर में एक 'मां भवानी' संगठन ने आरोप लगाया था कि भोपाल के जिन्सी स्थित पब्लिक पब्लिक पार्टनरशिप मॉडल पर एक स्लॉटरहाउस संचालित किया जा रहा है, इस स्लॉटरहाउस में गायों का वध किया जा रहा है। आरोप यह भी था कि गायों का वध कर उनका मांस भैंसे के मांस के रूप में बेचा जा रहा है। शिकायत के आधार पर अलर्ट हुई मध्यप्रदेश पुलिस ने एक रेफ्रिजरेटेड ट्रक से करीब 26.5 टन मांस जब्त भी किया। शुरूआती जांच में जब्त किए इस मांस के कुछ सैंपल जांच के लिए मथुरा भेजे गए थे। मथुरा से जारी रिपोर्ट में मांस के सैंपल गाय का मांस होने की पुष्टि की गई थी। मथुरा से आई जांच रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने आगे की कार्रवाई शुरू की। जब पुलिस ने स्लॉटरहाउस के सीसीटीवी खंगाले तो फुटेज में केवल भैंसों के वध की ही तस्वीरें नजर आईं।

गाय का दूध है धरती का अमृत...

महर्षि चरक के अनमोल वचनों के अनुसार गाय का दूध इस धरती का अमृत है जिससे बनने वाले दही, मक्खन, घी तथा छाछ (मट्ठा) - ये सभी मन, बुद्धि को सात्त्विक बनाकर हमारी विवेक शक्ति, ओज, ऊर्जा, कान्ति की वृद्धि करते है जिसका

आत्माराम यादव
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

प्रत्यक्ष भगवान श्रीकृष्ण अवतार के समय प्रत्येक घर गोपालन होता था ओर कृष्ण ने बचपन में गायों को विशेष महत्व दिया जिससे उनका नाम गोपाल भी हुआ। इस समय को छोड़ दिया जाये तो बीते हर युग में भारत के हर घर में गाय का होना ओर गाय का दूध पीना सभी की दिनचर्या का अंग रहा है। इस देश में गाय के दूध की नदिया बहती थी अर्थात हर घर में गाय के दूध का प्रचुर भंडार हुआ करता था जिसे पीकर हमारे पूर्वजों ने इस देश को विश्वगुरुः एवं सोने की चिड़िया कहलाने वाला देश बनाया था लेकिन जब से भैंस का दूध आया तभी से ह्रदयरोग, वातरोग, शुगर ने यहाँ के लोगों की बुद्धि और पाचनक्रिया का नाश कर देशवासियों को परमुखापेक्षी बना दिया। इसलिये गाय के दूध का कोई विकल्प आज तक नहीं है और गाय के दूध की इन्ही विशेषताओं के कारण गाय का दूध अमृत का स्थान पाये हुये है। जिसे यक्ष गीता में उल्लेखित उदाहरण से भी समझा जा सकता है जहां एक समय यक्ष ने युधिष्ठिर से अनेक प्रश्नों के क्रम में एक प्रश्न किया- 'किममृतम्' अमृत क्या है? युधिष्ठिर ने उत्तर दिया 'गवामृतम्' गाय का दुग्ध ही अमृत है, धर्मराज युधिष्ठर का यह कथ्य गाय के दूध को अमृत सिद्ध करता है और वेद गाय माता कि स्तुति कर यूं ही हमसे आव्हान नहीं करते कि - माता रुद्राणां दुहिता वसूनां स्वलादित्यानाममुतस्य नाभिः। प्रयोघं चिकितुवे जगाय मा गामनागामदिर्ति वसिष्ठ ।। अर्थात - 'गौ रुद्रों की माता, बसुओं की पुत्री, अदिति पुत्रों की बहिन और घृतरूप अमृत का खजाना है; प्रत्येक विचारशील पुरुष को चाहिए कि निरपराध एवं अवध्य गाय का न तो वध करे ओर न ही किसी को करने दे।जिसका पालन मुगल शासक अकबर ने कर मुगल सल्तनत में गायों के कत्लखाने बंद करा कर गोवध पर सजा दे रखी थी जिसे आज हमारी सरकार आंखे बंद कर गाय के कत्लखाने पर रोक लगाने में असफल साबित हुई है किन्तु गाय के दूध का कर्ज चुका नहीं सकी है।

गाय का दूध अमृत है इसके अनेक प्रसंग है एक अन्य उदाहरण भी मिलता है जब मुगल बादशाह अकबर ने अपने खास नवरत्न बीरबल से पूछा कि बीरबल दूध किसका अच्छा होता है? बीरबल ने बगैर देर लगाये तुरंत जवाब दिया, 'जहाँपनाह ! दूध तो भैंस का अच्छा होता है।' इस उत्तर पर अकबर को आश्चर्य हुआ और वे बोले- बीरबल ! ये क्या कह रहे हो, रोज तो तुम गाय की तारीफ करते नहीं थकते थे, पर जब आज हमने दरबार में दूध के विषय में पूछा तो तुम भैंस के दूध की तारीफ कर रहे हो? बीरबल ने कहा- जहांपनाह! पर आपने पूछा कि दूध किस जानवर का अच्छा होता है, तो मैंने भैंस का नाम लिया, यदि आपने अमृत पूछा होता तो मैं गोमाता का नाम लेता, गोमाता तो दूध नहीं, अमृत देती हैं। आयुर्वेद के प्रसिद्ध ग्रन्थ भावप्रकाश के अनुसार- 'गोदुग्ध रस एवं विपाक में मधुर, शीतल, स्निग्ध, गुरु और वृद्धावस्था के समस्त रोगों का शामक

है।' गाय का दूध पौष्टिक तत्वों का भंडार है, इसमें जल 87, वसा 4, प्रोटीन 4, शर्करा 5 तथा अन्य तत्व 1 से 2 प्रतिशत तक पाए जाते हैं। गाय के दूध में 8 प्रकार के प्रोटीन, 11 प्रकार के विटामिन्स, 12 प्रकार के पिगमेंट्स तथा 3 प्रकार की दुग्ध गैसें पायी जाती हैं। गायके दुधमे कैरोटीन नामक पदार्थ भैंस के दूध से दस गुना अधिक होता है। केवल गाय के दूध में ही विटामिन 'ए' होता है, जो किसी अन्य पशु के दूध में नहीं होता है। भैंस का दूध गर्म करने पर उसके सर्वाधिक पोषक तत्त्व मर जाते हैं, जबकि गाय के दूध को गर्म करने पर भी पोषक तत्त्व वैसे ही विद्यमान रहते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार माँ के दूध के पश्चात गाय का दूध ही मानव के लिये सबसे ज्यादा उपयोगी है। गोदुग्ध में विद्यमान सेरिब्रोसाइस मस्तिष्क और स्मरण शक्ति के सहायक होता है। स्ट्रानटाइन अणु विकारों का प्रतिरोध होता है और एम.डी.जी.आई. प्रोटीन के कारण रक्त कोशिकाओं में कैंसर प्रवेश नहीं कर सकता तथा गाय के दूध से कोलेस्ट्रॉल नहीं बनता है। अथर्ववेद के प्रथम काण्ड के 22वें सूक्त में लिखा है कि लाल रंग की गाय के दूध दही, घी, मक्खन आदि से ह्रदय एवं पाण्डु रोग नष्ट होते हैं वही पर चरक संहिता में गाय के दूध के दस गुणों का वर्णन इस प्रकार किया गया है- स्वादु शीतं मृदु स्निग्धं बहलं श्लक्ष्णपिच्छिलम्। गुरु मन्दं प्रसन्नं च गव्यं दशगुणं पयः ॥(सूत्रस्थान २७।२१८) अर्थात गाय का दूध स्वादिष्ट, शीतल, कोमल, चिकना, गाढ़ा, सौम्य, लसदार, भारी और बाह्य प्रभाव को विलम्ब से ग्रहण करने वाला तथा मन को प्रसन्न करने वाला होता है। इसी तरह सुश्रुत संहिता में गाय के दूध के दही को स्निग्ध, विपाक में मधुर, पाचक, बलवर्धक, वातनाशक, शुद्ध एवं रुचिकारक कहा गया है-स्निग्धं विपाके मधुरं दीपनं बलवर्धनम् ।वातापहं पवित्रं च दधि गव्यं रुचि प्रदम् ।। (सु०सं० ४५ ।६७) गाय के पाँच पदार्थों-पंचगव्य (दूध, दही, घृत, मूत्र तथा गोबर) - में अनेक बीमारियों के इलाज के गुण विद्यमान हैं। गाय से प्राप्त पदार्थों से ही पंचगव्य बनता है और पंचामृत में भी इसका उपयोग होता है। गाय का दूध, दही, घी, मक्खन एवं छाछ (मट्ठा) अमृत का भण्डार है। इसी कारण कृतज्ञता- वश भारतवर्ष में गोमाता की घर-घर पूजा होती है। गोमाता में ही ऐसी दिव्यता है कि जिसकी रीढ़ की हड्डी में सूर्यकेतु नाड़ी होती है, इसके सिवा दुनिया के किसी भी प्राणी में ऐसा नहीं है। इसी नाड़ी के क्रियाशील होने पर वह पीले रंग का एक पदार्थ छोड़ती है, जिसे स्वर्ण क्षार कहते हैं। इसके कारण देशी गाय का दूध, मक्खन, घी स्वर्ण कान्तियुक्त होता है। इस दूध को पीने से शरीर पूर्ण रूप से रोग मुक्त हो जाता है। गाय का दूध तो धरती का अमृत है, इसलिये प्रत्येक मनुष्य को कम-से-कम 275 ग्राम दूध प्रतिदिन अवश्य पीना चाहिये। गोदुग्ध में यदि एक चम्मच गाय का घी मिलाकर पियें तो शरीर पुष्ट एवं बलवान होता है। गाय का दूध गर्म करके पीने से कफ का नाश होता है तथा उसी दूध को ठंडा करके मिश्री के साथ पीने से पित्त विकार का नाश होता है ओर शरीर की जलन शांत करके अन्न पाचन में सहायक बनता है। गोमाता अत्यन्त सात्विक तथा ममतामयी होती हैं, इसलिए गाय का दूध सात्विक होता है। गाय का दूध पतला होने से जल्दी हजम हो जाता है, इससे रस-रक्तादि धातुओं एवं स्मरण शक्ति की वृद्धि होती है। अच्छे विचारों एवं अच्छे कार्यों की ओर बुद्धि की प्रवृत्ति होती है। भोज्य पदार्थ या अन्न की अपेक्षा दूध जल्दी हजम होता है। दूध आप हर 2-2 घंटे बाद 4-6 बार थोड़ा-थोड़ा ले सकते हैं, दूध उतना ही लें जितना हजम हो जाय। आयुर्वेद के अनुसार गाय के दूध के पथ्य से जिन रोगों में लाभ होता है वे है - जीर्ण ज्वर, अग्निमांद्य, तिल्ली वृद्धि, यकृत रोग, जलोदर, रक्तविकार, गंडमाला, अपस्मार, उन्माद, भ्रम, चक्कर, मूर्छा, उपदंश, विष और उससे उत्पन्न सभी प्रकार के दर्द, लकवा, लूला पन, शिर और नेत्र रोग, मस्तक शूल, मूत्राशय के रोग, पाण्डु रोग पीलिया, रक्तपित्त, प्यास, क्षय, ह्रदय रोग, छाती का दर्द, विष रोग, उष्णता, अम्लपित्त, पेट शूल, उल्टियां, जुलाब, पेट फूलना, संग्रहणी, दस्त के विकार, मन के विकार आदि अनेक रोग केवल दूध के पथ्य से ठीक हो जाते हैं। गौमाता के दूध के इन्हीं गुणों के कारण ही सऊदी अरब में 7 लाख गायों उच्च तकनीक से पालन कर फार्म चल रहे है जिसमें अलशफीजी नाम से अर्थात मेहरबान (कृपालु)- गाय के गुणों के हिसाब से रखा गया है। इस फार्ममें 90 हजार गायें हैं, जिनमें 30 हजार भारतीय नस्ल की हैं। इन्हीं भारतीय नस्ल की गायों का दूध रियाद स्थित शाही महल में जाता है।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

सम्पादकीय

भारत को लेकर डोनाल्ड ट्रम्प का बयान निंदनीय है

अमेरिका के डोनाल्ड ट्रम्प का बयान नर्क है भारत बेहद निंदनीय है हाँ उनके लिहाज से हो सकता है क्योंकि भारत में पश्चिमी सभ्यता का नष्ट हुआ और भारत में भगवान राम ने त्याग और मयार्दा का जो पालन किया वो सभी के लिए प्रेरणादायक है नर्क है तो आखिर स्वर्ग क्या है हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, अप्सराएं इंद्रलोक (स्वर्ग) की दिव्य नृत्यांगना, गायिका और सेविका हैं, जो बेमिसाल सुंदरता और जादूई शक्तियों से संपन्न मानी जाती हैं। ये गंधर्वों के साथ मिलकर देवताओं का मनोरंजन करती हैं और ऋषियों की तपस्या भंग करने के लिए जानी जाती हैं। प्रमुख अप्सराओं में रंभा, उर्वशी, मेनका और तिलोत्तमा शामिल है अतः यहाँ अप्सराएं राजा को खुश करने के लिए नहीं नाचती है स्वर्ग में मजा है लेकिन मजा ही एक दिन सजा का कारण बनती है यहाँ के लोग मेहनत करते है खून पसीना बहा कर दो पैसा कमाते है लेकिन गुंडागर्दी नहीं करते हैं त्याग का रास्ता जो हमारे भगवान राम ने दिखाया है वो पूर्ण विश्व के लिए एक शांति का संदेश है अगर हर मनुष्य भगवान राम का मात्र 10 मिनट भी ध्यान कर ले तो क्रोध कभी नहीं आएगा लोग काम की चिंता में डूबे रहते हैं लेकिन क्या होगा यदि हम नहीं कर पाएं, काम में गलती होती है लेकिन राम का नाम हमें यही बताता है यहाँ हम सब एक मुसाफिर हैं इसलिए ना किसी बात की चिंता करो ना ही हिम्मत हारो और क्रोध को नियंत्रण करना सिर्फ भगवान राम से ही सीखा जा सकता है क्योंकि जब समुद्र लंका जाने में रास्ता नहीं दे रहा था तो लकक्ष्मणजी उनके भाई समुद्र में बाण चला देते लेकिन बाद में भगवान राम ने रोका और समुद्र ने अपनी बात बताई क्योंकि भगवान राम कहते हैं हमें हमेशा दूसरे के बारे में भी सोचना चाहिए यदि गलत हुआ हो तो अवश्य ही अन्याय के खिलाफ आवाज उठाए पहले से ट्रम्प का भारत के प्रति रवैया बहुत ही शर्मनाक रहा और हाल ही में आतंकवादी के गढ़ का देश पाकिस्तान में ईरान और अमेरिका के बीच शान्ति वार्ता का शुभारम्भ कराकर ऐ दिखाने की कोशिश की गईं कि भारत देश की विदेश नीति सही नहीं है लेकिन पाकिस्तान में शान्ति वार्ता को झटका भी लगा और ईरान ने आपकी शर्त मानने से इंकार कर दिया आप ईरान में इजराइल के साथ मिलकर जंग में इसलिए कूदे की तेल के बड़े भंडार पर कब्जा कर ले लेकिन इजराइल का ऑब्जेक्टिव कुछ और है और वो ना तो शान्ति वार्ता में पाकिस्तान गया ना ही सीजफायर की पेशकश की आप रातोंरात 63 साल के मादुरो और उनकी पत्नी को शनिवार को वेनेजुएला में उनके परिसर से अमेरिकी सैनिकों ने पकड़ा था। यह अचानक रातों-रात चलाया गया एक अभियान था, जिसमें कुछ सैन्य ठिकानों पर हमले भी हुए। गिरफ़्तारी के बाद दोनों को न्यूयॉर्क की एक जेल में ले जाया गया तो आप खुद अपने अंदर झाँक कर देखें कबीर साहब ने सही कहा है :बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलिया कोय।जो दिल खोजा आपना, मुझसे बुरा न कोय।।अर्थःकबीर दास जी कहते हैं कि जब मैं इस संसार में दूसरों की बुराई या कमियां खोजने निकला, तो मुझे कोई भी बुरा नहीं मिला। लेकिन जब मैंने अपने मन (दिल) के भीतर झांककर देखा, तो मुझे एहसास हुआ कि मैं स्वयं ही सबसे अधिक बुरा (दोषी) हैं संत कबीरदास जी का यह प्रसिद्ध दोहा आत्म-निरीक्षण (री'ा-१ाी'ाूॅ३ङ्ल्ल) और विनम्रता का संदेश देता है, जो बताता है कि दूसरों में बुराई खोजने से पहले हमें अपने भीतर झांकना चाहिए। भारत 140 करोड़ लोगों का एक शांतिप्रिय देश है और लोकतान्त्रिक देश है भारत ने आपसे पूछ कर 1998 में परमाणु परीक्षण आपके ही सेटेलाइट को चकमा दे कर किया और कारगिल विजय पर अटलजी ने पाकिस्तान को क्या खुब कहा थाःअमेरिका से एक नहीं दो नहीं करो बीसों समझौते पर स्वतन्त्र भारत का मस्तक नहीं झुकेगा अगणित बलिदानो से अर्जित यह स्वतन्त्रता अश्रु स्वेद शोणित से सिंचित यह स्वतन्त्रता त्याग तेज तपबल से रक्षित यह स्वतन्त्रता दुःखी मनुजता के हित अर्पित यह स्वतन्त्रता। भारत एक स्वतंत्र देश है नर्क है या स्वर्ग इसका फैसला ईश्वर कर सकता है जो सभी को चला रहा है आपसे अपना देश तो संभल नहीं रहा है आक्रोश है लोगों में क्योंकि युद्ध की आग में झोंक कर पूर्ण विश्व में तेल और गैस पर संकट आ गया, क्या आप सोचते हैं कि भारत आपसे दूध का निर्यात करें जिसे चारा में मांस खिलाया जाता है और दूध पीकर मन के अंदर विष भर ले, स्वर्ग की लालसा के लिए नर्क से होकर ही गुजरना पड़ता है अंग्रेजी हुकूमत ने भारतीय को नर्क में रखा लेकिन उनके त्याग और बलिदान से देश आजाद हुआ और स्वर्ग है हमारी मातृभूमि जिसे अनेक ऋषि और मुनि प्राचीन भारतीय संत या द्रष्टा थे, जिन्होंने गहन ध्यान (तप) और आध्यात्मिक साधना के माध्यम से दिव्य ज्ञान और शाश्वत सत्यों को प्राप्त किया।

संजय गोस्वामी
लेखक
दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

राघव का वार और सात सांसदों की बगावत से डगमगाया आप का किला

अजय कुमार | लेखक

दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

भारतीय राजनीति के फलक पर 2 अप्रैल 2026 को जो चिंगारी सुलगनी शुरू हुई थी, उसने 22 दिनों के भीतर एक ऐसी सियासी आग का रूप ले लिया है जिसमें अरविंद केजरीवाल की 'आम आदमी पार्टी' का राज्यसभा वाला किला लगभग ढह चुका है। यह महज कुछ सांसदों का दल-बदल नहीं है, बल्कि उस भरोसे और विचारधारा की सामूहिक हत्या है, जिसके दम पर एक दशक पहले अन्ना आंदोलन की कोख से यह पार्टी जन्मी थी। राज्यसभा में पार्टी के डिप्टी लीडर रहे राघव चड्ढा की अगुवाई में सात सांसदों का एक साथ पाला बदलना दिल्ली से लेकर पंजाब तक की सियासत में वो भूकंप है, जिसकी रिक्टर स्केल पर तीव्रता आने वाले कई सालों तक महसूस की जाएगी। मैं घायल हूं, इसलिए घातक हूं और मेरी खामोशी को मेरी हार मत समझना जैसे फिल्मी लगने वाले राघव के संवादों ने शुक्रवार को तब हकीकत का जामा पहन लिया, जब उन्होंने संदीप पाठक और अशोक मित्तल के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भाजपा का दामन थामने का एलान किया। यह भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में किसी भी क्षेत्रीय दल के लिए संभवतः सबसे बड़ा और संगठित विद्रोह है।

इस पूरे घटनाक्रम की पटकथा उस दिन लिख दी गई थी जब राघव चड्ढा को अचानक राज्यसभा में डिप्टी लीडर के पद से हाथ धोना पड़ा था। पार्टी ने अंदरूनी तौर पर उन पर निष्क्रियता और गतिविधियों से दूरी बनाने के आरोप मढ़े थे, लेकिन राघव के तेवर बता रहे थे कि वे किसी बड़े 'ऑपरेशन' की तैयारी में हैं। गौर करने वाली बात यह है कि इस बगावत में संदीप पाठक का नाम शामिल होना केजरीवाल के लिए सबसे बड़ा व्यक्तिगत झटका है। पाठक वही शख्स हैं जिन्हें 'आप' का चाणक्य कहा जाता था, जिन्होंने पंजाब की सत्ता की चाबी केजरीवाल के हाथ में सौंपी और पार्टी को राष्ट्रीय दल का दर्जा दिलाने के लिए पर्दे के पीछे से संगठन की मशीनरी तैयार की। जब संगठन का वास्तुकार ही इमारत ढहाने पर आमादा हो जाए, तो नेतृत्व की विफलता पर सवाल उठना लाजिमी है। इसके साथ ही स्वाति मालीवाल की भूमिका ने इस आग में घी का काम किया है। बिभव कुमार मामले के बाद जिस तरह स्वाति को अपनी ही पार्टी में अपमान और अलगाव का सामना करना पड़ा, उन्होंने उसे अपनी निजी अदावत बना लिया। आज जब वे राघव के साथ सुर में सुर मिला रही हैं, तो यह साफ है कि 'आप' के भीतर महिलाओं के सम्मान और आंतरिक लोकतंत्र को लेकर जो दावे किए जाते थे, उनकी कलई खुल चुकी है। तकनीकी तौर पर देखें तो यह बगावत बहुत ही सधे हुए कानूनी दांव-पेच के साथ की गई है। राज्यसभा में 'आप' के कुल 10 सांसद थे, जिनमें से 7 का एक साथ अलग होना दल-बदल विरोधी कानून (एन्टी डिफेक्शन लॉ) के तहत अयोग्यता की तलवार को कुंद कर देता है। दो-तिहाई की यह संख्या राघव चड्ढा की उस रणनीतिक कुशलता को दशार्ती है, जिसका लोहा कभी खुद केजरीवाल मानते थे। राघव का यह कहना कि वे ₹गलत पार्टी में सही व्यक्ति₹ थे, न केवल केजरीवाल के नेतृत्व पर सीधा प्रहार है, बल्कि उन लाखों कार्यकताओं के जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा है जो भ्रष्टाचार के खिलाफ जंग का सपना लेकर इस पार्टी से जुड़े थे। जिस पार्टी ने 15 साल तक संघर्ष किया, उसका इस तरह ताश के पत्तों की तरह बिखरना यह बताता है कि सत्ता के गलियारों में पहुंचते ही 'आम' और 'खास' की लकीर धुंधली पड़ गई। भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरे नेतृत्व और जेल से सरकार चलाने की जिद ने शायद उन नेताओं को भी सोचने पर मजबूर कर दिया जो अब तक वफादारी का दम भर रहे थे। पंजाब की सियासत के लिहाज से यह घटनाक्रम किसी सुनामी से कम नहीं है। बागी होने वाले सात में से छह सांसद पंजाब का प्रतिनिधित्व करते हैं। मुख्यमंत्री भगवंत मान के लिए यह स्थिति बेहद असहज है, क्योंकि राघव चड्ढा को कभी पंजाब सरकार का 'रिमोट कंट्रोल' कहा जाता था। मान और चड्ढा के बीच का शीतयुद्ध जगजाहिर था, लेकिन अब यह आमने-सामने की जंग में बदल चुका है। भाजपा ने इन चेहरों को अपने पाले में कर न केवल राज्यसभा में अपनी ताकत 148 तक पहुंचा दी है, बल्कि 2027 के पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए भी एक मजबूत बिसात बिछा दी है। भाजपा, जो पंजाब में लंबे समय से एक मजबूत 'सिख चेहरे' और संगठन की तलाश में थी, उसे अब हरभजन सिंह, अशोक मित्तल और विक्रमजीत सिंह साहनी जैसे रसूखदार लोगों का साथ मिल गया है। यह 'मिशन पंजाब' की वो शुरूआत है जिसने अरविंद केजरीवाल के राष्ट्रीय महत्वाकांक्षाओं को फिलहाल दिल्ली और पंजाब की सीमाओं में ही कैद कर दिया है। संजय सिंह और अन्य 'आप' नेता इसे 'ऑपरेशन लोटस' और केंद्रीय एजेंसियों का डर बताकर जनता की सहानुभूति बटोरने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या केवल डर के दम पर इतने बड़े स्तर पर बगावत संभव है? अन्ना हजारे की उस टिप्पणी को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता जिसमें उन्होंने कहा कि जब स्वार्थ समाज और देश से ऊपर हो जाता है, तो संगठन टूट जाते हैं। यह केजरीवाल की उस कार्यशैली का भी परिणाम है जिसमें उन्होंने धीरे-धीरे उन सभी पुराने चेहरों को किनारे कर दिया जिन्होंने उनके साथ धूल फांकी थी। योगेंद्र यादव, प्रशांत भूषण, कुमार विश्वास और अब राघव-संदीप की यह फेहरिस्त बताती है कि पार्टी में असहमति के लिए कोई जगह नहीं बची है। स्वाति मालीवाल का यह आरोप कि उन्हें मुख्यमंत्री के घर पर पीटा गया और फिर उन्हें ही बदनाम करने की कोशिश की गई, पार्टी की नैतिक साख पर वो धब्बा है जो शायद ही कभी धुल पाए। राज्यसभा सचिवालय में अब कानूनी लड़ाई शुरू होगी, सदस्यता रद्द करने की याचिकाएं डाली जाएंगी और मामला कोर्ट तक जाएगा। लेकिन राजनीति में जो धारणा (परसेप्शन) एक बार बन जाती है, उसे बदलना मुश्किल होता है। जनता के बीच अब यह संदेश जा चुका है कि जो पार्टी दूसरों को ईमानदारी का सर्टिफिकेट बांटती थी, उसके अपने घर में ही भारी अविश्वास का माहौल है। गुजरात निकाय चुनाव से ठीक पहले पार्टी के सोशल मीडिया पेजों का सस्पेंड होना और सांसदों का सामूहिक पलायन, 'आप' के लिए किसी 'परफेक्ट स्टॉर्म' जैसा है। केजरीवाल जो खुद को नरेंद्र मोदी के विकल्प के तौर पर पेश कर रहे थे, आज अपने सबसे भरोसेमंद सिपहसालारों को ही भाजपा के पाले में जाते हुए देखने को मजबूर हैं। यह पतन की शुरूआत है या फिर कोई नया सबक, यह तो वक्त तय करेगा, लेकिन फिलहाल इतना तय है कि 'झाड़ू' की तीलियां बिखर चुकी हैं और उन्हें समेटना अब केजरीवाल के बस की बात नहीं लग रही। भारतीय राजनीति का यह शुक्रवार 'आम आदमी पार्टी' के इतिहास में हमेशा एक ऐसे मोड़ के रूप में याद किया जाएगा, जहां से वापसी का रास्ता बहुत धुंधला नजर आता है।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

धर्मांतरण की आड़ में पनपता नया आतंक तुषार से हिजबुल्लाह बनने की खौफनाक दास्तान

धर्म के नाम पर होने वाला परिवर्तन अक्सर एक व्यक्तिगत आस्था का विषय माना जाता है, लेकिन जब यह आस्था किसी के हाथ में बंदूक थमा दे और उसे अपने ही देश के खिलाफ खड़ा कर दे, तो वह आस्था नहीं, बल्कि एक सुनियोजित राष्ट्रीय खतरा बन जाती है। उत्तर प्रदेश के मेरठ और नोएडा से हाल ही में सामने आई तुषार चौहान उर्फ हिजबुल्लाह अली खान की कहानी महज एक धर्मांतरण का मामला नहीं है, बल्कि यह उस हाइब्रिड टेरर मॉडल का जीता-जागता सबूत है जिसे सीमा पार बैठी ताकतें अब भारत में आउटसोर्स कर रही हैं। जिस लड़के की रगों में एक स्वतंत्रता सेनानी का खून दौड़ रहा था, जिसका परिवार पीढ़ियों से भारतीय सेना में रहकर देश की सीमाओं की रक्षा करता आया, उसी परिवार का बेटा कट्टरपंथ के इस डिजिटल मकड़जाल में फंसकर खुद को अल्लाह की फौज यानी हिजबुल्लाह का सिपाही समझने लगा। यह घटना न केवल सुरक्षा एजेंसियों की नींद उड़ाने वाली है, बल्कि समाज के उस हिस्से के लिए भी खतरे की घंटी है जो सोशल मीडिया की चकाचौंध में अपने बच्चों के बदलते व्यवहार को भांप नहीं पा रहे हैं।

आतंकवाद का यह नया मॉडल बेहद शातिर और घातक है। इसमें अब सीधे तौर पर हथियारबंद घुसपैठ की जरूरत नहीं पड़ती, बल्कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई ने इस काम को शहजाद भट्टी जैसे गैंगस्टरों और कट्टरपंथी यूट्यूबर्स को सौंप दिया है। ये लोग सोशल मीडिया को एक भर्ती केंद्र की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं। इनका शिकार वे युवा बन रहे हैं जो मानसिक रूप से थोड़े कमजोर हैं या जिन्हें धार्मिक कट्टरपंथ के नाम पर आसानी से बरगलाया जा सकता है। तुषार के मामले में भी यही हुआ। उसे पहले सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तानी हैंडलर्स के संपर्क में लाया गया, फिर धीरे-धीरे उसके मन में मौजूदा व्यवस्था और अपने ही मूल धर्म के खिलाफ जहर भरा गया। धर्मांतरण तो सिर्फ एक औपचारिकता थी, असली मकसद तो उसका ब्रेनवॉश करके उसे एक किलिंग मशीन में तब्दील करना था। तुषार का तुषार से हिजबुल्लाह बनना यह दशार्ता है कि कट्टरपंथ की खुराक उसे इस कदर दी गई कि वह अपनी गौरवशाली पारिवारिक विरासत को भूलकर उन लोगों की जान लेने पर उतारू हो गया जो उसकी हिटलिस्ट में थे। सबसे ज्यादा हैरान करने वाली बात इस आतंकी मॉडल की हिटलिस्ट है। आमतौर पर आतंकी संगठनों के निशाने पर सुरक्षा बल या राजनेता होते हैं, लेकिन हिजबुल्लाह बने तुषार को जो काम सौंपा गया था, वह समाज को अंदर से खोखला करने वाला था। उसकी सूची में वे एक्स-मुस्लिम शामिल थे जिन्होंने अपनी स्वतंत्र सोच से इस्लाम छोड़ दिया था। यह कट्टरपंथ का वह चरम है जहां व्यक्तिगत पसंद और अभिव्यक्ति की आजादी के लिए कोई जगह नहीं बचती। अगर कोई अपनी मर्जी से जीवन जीना चाहे, तो उसे दुश्मन मान लिया जाता है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश, जो सामरिक रूप से दिल्ली के बेहद करीब है और सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील माना जाता है, अब इस खतरनाक प्रयोग की प्रयोगशाला बनता जा रहा है। पिछले कुछ महीनों में बिजनौर, गाजियाबाद, मेरठ और हापुड़ से हुई गिरफ्तारियां बताती हैं कि आईएसआई का स्लीपर सेल नेटवर्क अब डिजिटल माध्यमों से जमीनी स्तर पर अपनी जड़ें फैला चुका है। इस पूरे प्रकरण में एक सवाल यह भी उठता है कि क्या हमारा सामाजिक ताना-बाना इतना कमजोर हो गया है कि कोई बाहरी ताकत चंद वीडियो और तकरीरों के जरिए हमारे युवाओं को देशद्रोही बना सकती है? तुषार के पिता और उसकी मां का रोना इस बात की गवाही है कि उन्हें अंदाजा भी नहीं था कि उनका बेटा कब उनके हाथों से फिसलकर अंधेरी गलियों में जा पहुंचा। पश्चिमी उत्तर प्रदेश का इलाका, जहां की कृषि और सेना में भागीदारी की कहानियां प्रसिद्ध रही हैं, वहां सोलर सीसीटीवी कैमरों के जरिए जासूसी करना और संवेदनशील ठिकानों की रेकी करना एक नए तरह के युद्ध का संकेत है। यह युद्ध सीमाओं पर नहीं, बल्कि मोबाइल स्क्रीन और बंद कमरों में लड़ा जा रहा है। धर्मांतरण और आतंक के इस गठजोड़ को समझने के लिए हमें उस मानसिकता की गहराई में जाना होगा जो धर्म को एकता के बजाय विभाजन का औजार बनाती है। जहां एक ओर मणिपुर और मिजोरम के बनेई मेनाशे समुदाय के लोग हजारों सालों तक भारत में रहने के बावजूद अपनी परंपराओं को सहेजते हुए आज अपने मूल देश इजरायल लौ ऐसे आतंकी मॉडल के पीछे भाग रहे हैं जिसका भारत से कोई लेना-देना नहीं है। यहट रहे हैं, वहीं दूसरी ओर तुषार जैसे लोग हैं जो अपनी मिट्टी और परंपरा से कटकर एक वैचारिक कमजोरी और अपनी जड़ों से कटने का परिणाम है। सुरक्षा एजेंसियां तो अपना काम करेंगी ही, लेकिन अब वक्त आ गया है कि समाज और परिवार भी अपने बच्चों की डिजिटल गतिविधियों और अचानक आने वाले व्यवहारिक बदलावों को लेकर सतर्क हों। तुषार का हिजबुल्लाह बनना महज एक गिरफ्तारी नहीं है, बल्कि यह हमारी उस सामूहिक विफलता का आईना है जिसे अगर वक्त रहते नहीं सुधारा गया, तो धर्मांतरण की यह आड़ आने वाले समय में और भी कई परिवारों को उजाड़ देगी। आतंक का यह आउटसोर्स मॉडल जितना अदृश्य है, उससे कहीं ज्यादा यह हमारे भविष्य के लिए घातक है।

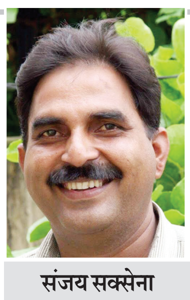

संजय सक्सेना
लेखक
दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

विचार प्रांति की जरूरत

एक समय अवांछनीय व्यक्तियों या तत्वों को हटाने के लिए मुख्यतः शस्त्रबल से ही काम लिया जाता था। तब विचारशक्ति की व्यापकता का क्षेत्र खुला न था। बहुसंख्यक जनता को एक दिशा में सोचने, कुछ करने या संगठित करने के लिए उपयुक्त साधन न थे। इसलिए संसार में जब भी अनाचार, पाप, अनौचित्य फैलता था, तब उस अनौचित्य का निवारण युद्ध द्वारा शस्त्रबल से किया जाता था। प्राचीनकाल में युग परिवर्तन की यही भूमिका रही है। इसी कारण रावण, कंस, हिरण्यकशिपु आदि अनीतिमूलक वातावरण उत्पन्न करने वालों को परास्त करनेवाले महामानवों को अवतार, देवदूत आदि सम्मानों से सम्मानित किया गया। पिछले कई वर्षों में विज्ञान ने अद्भुत प्रगति की है।

संसार की अनेक सभ्यताओं और विचारधाराओं ने एक-दूसरे को प्रभावित करना आरम्भ किया। साथ ही ऐसे शस्त्रों का आविष्कार आरम्भ हुआ, जिससे युद्ध केवल दो देशों के बीच संभव न रहा। सरकारी कानून के तहत व्यक्तिगत लड़ाइयां असंभव हो गई। आज किसी देश का प्रधानमंत्री भी किसी का वध कर डाले, तो उसे जरूरी सजा भुगतनी ही पड़ेगी। पुराने जमाने में योद्धा तलवार से निपट लेते थे, पर अब तो युद्ध के अस्त्र-शस्त्र तथा क्रियाकलाप इतने महंगे हैं कि एक सैनिक को मारने का खर्च प्रायः हजारों रुपये पड़ जाता है। उसके पीछे अंतरराष्ट्रीय गुटबंदी और सहायताएं, सहानुभूतियां भी काम करती हैं। इस वैज्ञानिक युग में पिछले दो युद्ध अनंत संहारक साधनों से लड़े गये, फिर भी उनसे कोई प्रयोजन सिद्ध नहीं हुआ। कहने का तात्पर्य इतना भर है कि प्राचीनकाल में अनीति व अनुपयुक्त परिस्थितियों का मूल कारण बने व्यक्तियों को निरस्त करने से वातावरण बदल जाता था, पर वैज्ञानिक प्रगति ने इस संभावना को समाप्त कर दिया। पहले कुछ शक्तिशाली शासक ही भला-बुरा वातावरण बनाने के निमित्त होते थे पर अब जनता के हर नागरिक को अपनी शक्तियां विकसित करने और उपयोग करने की ऐसी सुविधा मिल गई है कि वह स्वयं स्वतंत्र इकाई के रूप में समाज पर भारी प्रभाव छोड़ता है। अस्तु, अपने भाग्य का निमार्ता स्वयं होने के शात सत्य के साथ इसी निष्कर्ष पर पहुंचना पड़ता है कि विकृत मनःस्थिति ही एकमात्र कारण है, जिसने संकटों के तूफान खड़े कर दिये हैं, अन्यथा पुराने समय में स्वल्प साधनों के रहते लोग हंसते-हंसाते जीवन जीते रहे, तो अब साधन सुविधाओं की विपुलता होते हुए विपन्न और उद्विग्न स्थिति में दिन गुजारने का अन्य कोई कारण नहीं।

ग्लोबल हेराल्ड में प्रकाशित होने वाले लेख लेखकों के निजी विचार है

व्यापार

उतार-चढ़ाव की सुनामी, सेंसेक्स और निफ्टी 2.5 फीसदी से नीचे लुढ़के

मुंबई ■

भारतीय शेयर बाजार के लिए पिछला सप्ताह बेहद निराशाजनक रहा, जहां प्रमुख सूचकांकों में 2 से 2.5 फीसदी तक की भारी गिरावट दर्ज की गई। कच्चे तेल की कीमतों में अप्रत्याशित उछाल और अमेरिका-ईरान के बीच दूसरे दौर की बातचीत में देर या गतिरोध ने वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव को हवा दी, जिसका सीधा असर निवेशकों के सेंटिमेंट पर पड़ा। पूरे हफ्ते बाजार भारी उतार-चढ़ाव से जूझता रहा, लेकिन अंततः लाल निशान पर बंद होकर निवेशकों के लाखों करोड़ रुपये को बहा ले गया। सोमवार को बाजार ने अस्थिर शुरूआत की। पहले प्री-ओपनिंग की बढ़त गंवाकर सेंसेक्स में 200 अंक से अधिक की गिरावट आई और निफ्टी 24,300 से नीचे पहुंच गया।

इस दौरान एचडीएफसी बैंक और आरआईएल ने बाजार पर सबसे ज्यादा दबाव डाला। हालांकि, बाद में खरीदारी लौटने से बेंचमार्क सूचकांक हरे निशान पर लौट आए और मामूली बढ़त के साथ बंद हुए। भू-राजनीतिक चुनौतियों और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बावजूद सेंसेक्स 26.76 अंक और निफ्टी 11.30 अंक बढ़कर बंद हुए। मंगलवार को भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद बाजार में जोरदार तेजी दिखी। अमेरिका-ईरान वार्ता की खबरों और ब्रेंट क्रूड के 100 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आने की उम्मीद ने निवेशकों के सेंटिमेंट को बढ़ावा दिया। सेंसेक्स 753.03 अंक चढ़कर 79,273.33 पर और निफ्टी 211.75 अंक बढ़कर 24,576.60 पर बंद हुआ, जिसमें अदाणी पोर्ट्स और आईसीआईसीआई बैंक जैसे शेयर दो फीसदी तक चढ़े। हालांकि, यह तेजी अल्पकालिक साबित हुई। तीन दिन की बढ़त के बाद बुधवार को आईटी शेयरों में भारी बिकवाली के चलते बाजार ने गिरावट दर्ज की। सेंसेक्स 756.84 अंक गिरकर 78,516.49 पर और निफ्टी 198.50 अंक की गिरावट के साथ 24,378.10 पर बंद हुआ। गुरुवार को गिरावट और तेज हो गई, जब अमेरिका-ईरान वार्ता में गतिरोध के कारण कच्चे तेल की कीमतें एक बार फिर 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गईं।

कच्चे तेल में उबाल, कई शहरों में महंगा हुआ पेट्रोल-डीजल

नई दिल्ली ■

होरमुज तनाव से ब्रेंट क्रूड 105 डॉलर पार, नोएडा, गुरुग्राम व पटना में बढ़ी कीमतें

होर्मुज जलडमरूमध्य में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच कच्चे तेल की कीमतें फिर उछल गई हैं। ब्रेंट क्रूड 105 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया है, जिसका असर भारत के कई शहरों में पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों पर दिखने लगा है। शनिवार को जारी नई कीमतों के अनुसार नोएडा में पेट्रोल 2 पैसे महंगा होकर 94.90 रुपए और डीजल 3 पैसे चढ़कर 88.01 रुपए प्रति लीटर हो गया।

गुरुग्राम में पेट्रोल 52 पैसे बढ़कर 95.65 रुपए और डीजल 50 पैसे बढ़कर 88.10 रुपए लीटर पर पहुंच गया। वहीं पटना में भी पेट्रोल 11 पैसे (105.59 रुपए) और डीजल 10 पैसे (91.82 रुपए) महंगा हुआ है। हालांकि, देश के प्रमुख महानगरों दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में पेट्रोल-डीजल के दाम फिलहाल स्थिर बने हुए हैं। वैश्विक बाजार में ब्रेंट क्रूड 105.30 डॉलर और डब्ल्यूटीआई क्रूड 94.40 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार कर रहा है।

डिजिटल तिजोरी पर एआई सेंध का डर वित्त मंत्री ने बैंकों को किया अलर्ट

नई दिल्ली ■

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भारतीय बैंकों को एक नए, बेहद शक्तिशाली कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) मॉडल क्लॉड माइथोस से उत्पन्न होने वाले गंभीर साइबर खतरों के प्रति आगाह किया है। यह एआई इतनी क्षमता रखता है कि वह बैंक प्रणालियों में छिपी हुई उन कमजोरियों को भी पहचान सकता है, जिन्हें मानवीय आंखें नहीं देख पातीं, जिससे हैकर्स के लिए मास्टर चाबी बनने का खतरा पैदा हो गया है। सरकार ने इस संभावित खतरे को देखते हुए बैंकों को तत्काल अपने सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने और सूचनाओं का आदान-प्रदान बढ़ाने का निर्देश दिया है, ताकि आम जनता के पैसे और डेटा को सुरक्षित रखा जा सके। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हाल ही में सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ बैंकों के शीर्ष अधिकारियों की एक उच्च-स्तरीय बैठक की। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य एंथ्रोपिक द्वारा विकसित क्लॉड माइथोस नामक इस अत्यधिक उन्नत एआई मॉडल से उत्पन्न होने वाले साइबर खतरों को समझना था। यह एआई अपनी अनूठी क्षमताओं के लिए जाना जाता है, जो ऑपरेटिंग सिस्टम और इंटरनेट ब्राउजरों में उन गुप्त कमजोरियों को भी उजागर कर सकता है जो दशकों से अनछुई थीं। क्लॉड माइथोस को अभी तक आम जनता के लिए जारी नहीं किया गया है और इसका एक्सेस केवल अमेजन, माइक्रोसॉफ्ट और गूगल जैसी 40 चुनिंदा कंपनियों तक सीमित है। हालांकि, कुछ अनधिकृत लोगों द्वारा इसके एक्सेस की रिपोर्टों ने वैश्विक स्तर पर, खासकर बैंकिंग क्षेत्र में, चिंता बढ़ा दी है। सिर्फ भारत ही नहीं, अमेरिका की सरकार भी वॉल स्ट्रीट के बैंकों के साथ इस खतरे पर चर्चा कर रही है। वित्त मंत्रालय ने सभी बैंकों और वित्तीय संस्थानों को पहले से कहीं अधिक सतर्क रहने, अपनी तैयारी पुख्ता करने और आपस में मिलकर काम करने की आवश्यकता पर बल दिया है। सीतारमण ने बैंकों को अपने आईटी प्रणालियों को तत्काल मजबूत करने और ग्राहकों के डेटा की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आदेश दिया। सरकार एआई जनित हमलों को पहचानने और रोकने के लिए एक विशेष ढांचा तैयार करने की योजना बना रही है।

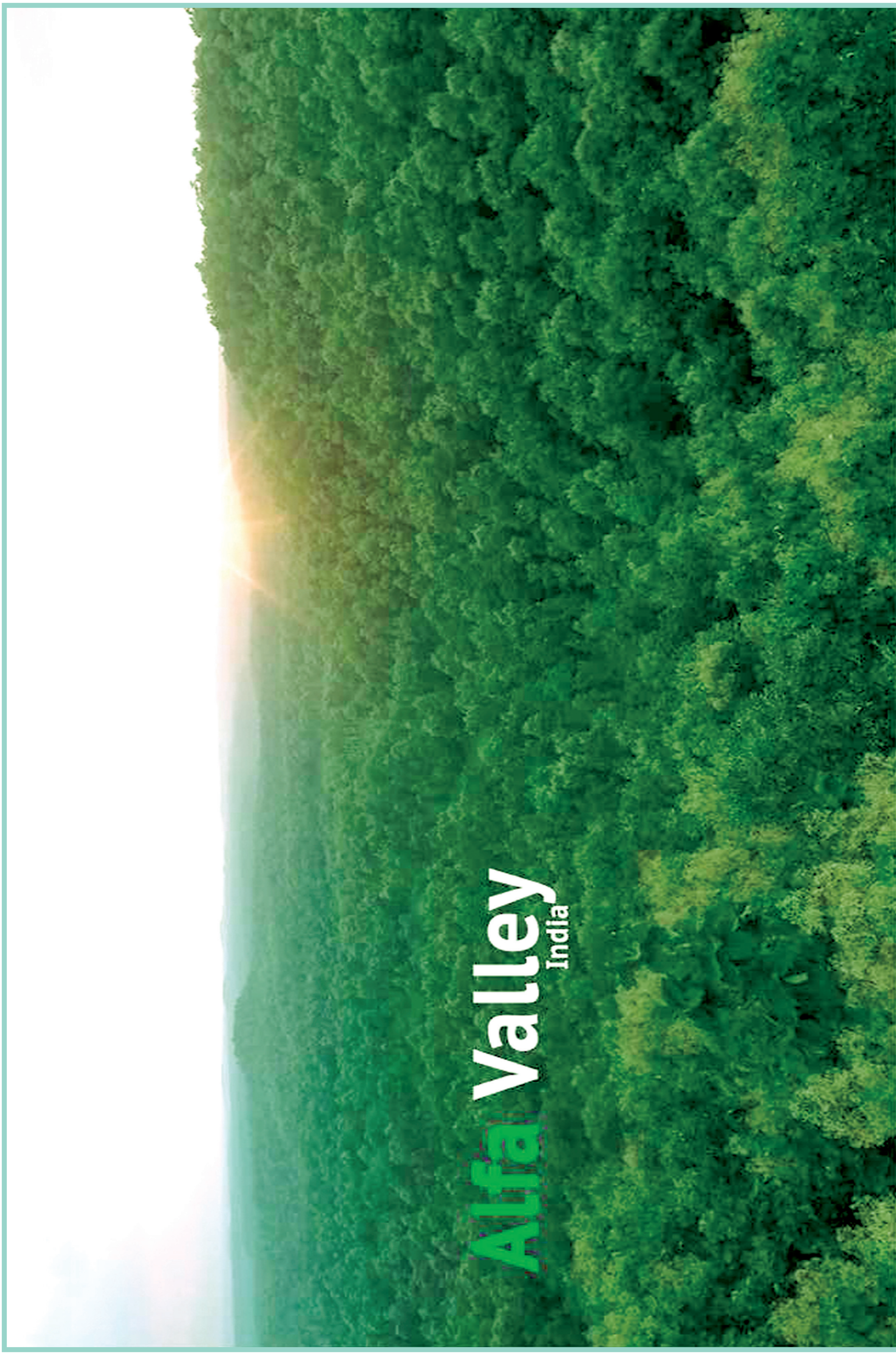
Alfa Valley
India

मनोरंजन

लैला के रोल के लिए हंसिका ने की कड़ी मेहनत

अपनी आगामी प्राइम वीडियो सीरीज गली में बॉलीवुड अभिनेत्री हंसिका मोटवानी ने अपने किरदार लैला के लिए गहन तैयारी की है। अभिनेत्री ने अपने इस ट्रांसफॉर्मेशन और लुक डेवलपमेंट की प्रक्रिया पर खुलकर बात की। इससे पता चलता है कि उन्होंने अपने किरदार को पर्दे पर सटीक रूप से उतारने के लिए कितनी मेहनत की है। हंसिका मोटवानी ने बताया कि लैला का लुक तैयार करना एक चुनौती भरा काम था, जिसे एक बार में अंतिम रूप नहीं दिया जा सका। इसके लिए कई बार ट्रायल किए गए और बारीकी से काम किया गया। उन्होंने कहा, लैला के किरदार में कई अलग-अलग पहलू हैं, इसलिए उसका लुक भी उसी हिसाब से तैयार करना बहुत ज़रूरी था। लगभग 3 से 4 बार अलग-अलग टेस्ट और बदलाव करने के बाद ही फाइनल लुक तय किया गया। यह प्रक्रिया दर्शाती है कि रचनात्मकता और परफेक्शन के लिए कितनी बार चीज़ों को आज़माना पड़ता है। अभिनेत्री ने आगे बताया कि लैला का स्वभाव और उसकी पर्सनैलिटी ही उसके लुक को तय करने में सबसे अहम थी। इस किरदार में एक खास नजाकत और तहजीब है, जिसे उसके कपड़ों और स्टाइल के माध्यम से प्रदर्शित करना आवश्यक था। इसलिए, उसके पहनावे को बहुत सोच-समझकर डिज़ाइन किया गया, ताकि वह किरदार के हर पहलू को सही तरीके से दर्शा सके और दर्शक उसकी आंतरिक दुनिया से जुड़ सकें।

द ब्लैक गोल्ड की शूटिंग का आखिरी शेड्यूल पूरा

हाल ही में साउथ की मशहूर अभिनेत्री संयुक्ता मेनन ने अपनी आगामी एक्शन थ्रिलर फिल्म द ब्लैक गोल्ड की शूटिंग का आखिरी शेड्यूल सफलतापूर्वक पूरा किया है। इसके बाद संयुक्ता मेनन ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शूटिंग के अंतिम चरण की तस्वीरें साझा करते हुए पूरी टीम के प्रति गहरा आभार व्यक्त किया। उनके द्वारा साझा किए गए भावुक नोट में उन्होंने सिनेमा को एक सामूहिक प्रयास बताया, जिसमें अनगिनत लोगों के हाथ, दिल और मेहनत शामिल होती है, जो सब एक ही लक्ष्य की ओर एकजुट होकर बढ़ते हैं। संयुक्ता का मानना है कि जो कुछ भी उन्होंने सेट पर रचा, वह इसी टीम भावना का परिणाम है, जिसके लिए वह पूरी टीम की बेहद आभारी हैं। संयुक्ता ने विशेष रूप से फिल्म के निर्देशक योगी सर का धन्यवाद किया, जिनके मार्गदर्शन और भरोसे को उन्होंने शब्दों से परे बताया। उन्होंने शूटिंग के दौरान मंचेरियल में अनुभव की गई कठिन परिस्थितियों का भी जिक्र किया। अभिनेत्री ने बताया कि 40 से 45 डिग्री सेल्सियस के प्रचंड तापमान और तेज धूप ने शारीरिक और मानसिक रूप से काफी चुनौती दी। चेरियल ने वाकई उनकी परीक्षा ली, लेकिन टीम की अदम्य भावना सूरज की तपिश से कहीं अधिक मजबूत निकली। गर्मी, थकान और हर मुश्किल के बावजूद, पूरी टीम दृढ़ता, जुनून और एक साझा लक्ष्य के साथ डटी रही, जो एक दुर्लभ और सराहनीय हौसला है। इस असाधारण टीम का हिस्सा बनकर संयुक्ता को बहुत गर्व महसूस हुआ।उन्होंने फिल्म के प्रत्येक सदस्य का दिल से शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि उन्होंने नामुमकिन को मुमकिन बनाया।

अजय देवगन की पांच बड़ी फिल्में कतार में, मचेगा धमाल!

अपने प्रशंसकों के लिए बॉलीवुड सुपरस्टार अजय देवगन लगातार पाँच बड़ी फिल्में लेकर आ रहे हैं। इन फिल्मों में से चार तो ब्लॉकबस्टर फ्रेंचाइजी के बहुप्रतीक्षित सीक्वल हैं।। बीते दिनों जारी गोलमाल 5 के परिचय वीडियो ने तो उत्साह को और बढ़ा दिया है। इसमें अक्षय कुमार की धमाकेदार एंट्री और शरमन जोशी की वापसी ने खूब सुर्खियां बटोरी हैं, जिससे लग रहा है कि यह फ़िल्म कॉमेडी और सरप्राइजेज़ का एक शानदार मिश्रण होगी। अजय देवगन का आगामी फिल्मी सफर कॉमेडी, एक्शन और सस्पेंस का एक शानदार मिश्रण होने वाला है। उनकी सबसे चर्चित कॉमेडी फ्रेंचाइजी गोलमाल का पांचवां इंस्टालमेंट गोलमाल 5 रोहित शेट्टी के निर्देशन में बन रहा है। इस मल्टीस्टारर कॉमेडी में अजय के साथ उनके पुराने साथी अरशद वारसी, तुषार कपूर, कुणाल खेमू और श्रेयस तलपड़े फिर से दर्शकों को हँसाने के लिए तैयार हैं। वीडियो में अक्षय कुमार का कॉमिक-निगेटिव रोल में दिखना फिल्म के लिए एक बड़ा सरप्राइज फैक्टर है, जो कहानी में नया ट्विस्ट लाएगा। यह फ़िल्म एक बड़े ग्रुप और अधिक कॉमिक सेटअप पर केंद्रित होगी, जो पिछली फ़िल्मों की विरासत को आगे बढ़ाएगी। जहाँ गोलमाल: फन अनलिमिटेड (2006) में रिमी सेन, गोलमाल रिटर्न्स और गोलमाल 3 में करीना कपूर खान और गोलमाल अगेन (2017) में परिणीति चोपड़ा ने फीमेल लीड का किरदार निभाया था, वहीं इस बार कहानी का मुख्य आकर्षण बड़े समूह और व्यापक हास्य का सेटअप होगा। इसके अलावा, अजय देवगन अपनी बहुचर्चित क्राइम थ्रिलर फ्रेंचाइजी दृश्यम 3 के साथ 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में दस्तक देंगे।

वैभव का शतक बेकार, अभिषेक-ईशान के तूफान ने राजस्थान का किया काम तमाम

नई दिल्ली ■ एजेंसी

वैभव सूर्यवंशी के तूफानी शतक पर अभिषेक शर्मा और ईशान किशन की अर्धशतकीय पारियां भारी पड़ीं, जिससे सनराइजर्स हैदराबाद ने राजस्थान रॉयल्स को उसी के घर में 5 विकेट से धूल चटा दी. जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में आईपीएल 2026 का यह 36वां मुकाबला खेला गया, जिसमें वैभव के दम पर राजस्थान ने 6 विकेट खोकर 228 रन का बड़ा टोटल बोर्ड पर लगाया. लक्ष्य का पीछा करते हुए अभिषेक और ईशान ने तूफानी अर्धशतक जड़कर हैदराबाद के लिए जीत की राह आसान कर कर दी.

हैदराबाद ने तीन गेंदे रहते लक्ष्य हासिल कर लिया. हैदराबाद के नियमित कप्तान पैट कमिंस पहली बार सीजन में खेलने उतरे थे. हैदराबाद ने राजस्थान को टूनामेंट में दूसरी बार मात दी है. इससे पहले अपने घर पर खेलते हुए भी हैदराबाद को जीत मिली थी. हैदराबाद की यह सीजन में 5वीं जीत है, जिससे टीम अंकतालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गई है, जबकि राजस्थान की टीम चौथे स्थान पर खिसक चुकी है. राजस्थान की यह आठ मैचों में तीसरी हार है.

ईशान-किशन का बोला बल्ला

लक्ष्य का पीछा करते हुए हैदराबाद को ट्रेविस हेड के रूप में पहला झटका जल्दी लगा, जो सिर्फ 6 बनाकर आउट हो गए. हालांकि, इसके बाद अभिषेक शर्मा ने ईशान किशन के साथ मिलकर तूफानी बल्लेबाजी की और दूसरे विकेट के लिए 132 रन की बड़ी साझेदारी कर डाली, जिसने मैच की दिशा तय कर दी. ईशान 31 गेंदों में 11 चौके और तीन छक्कों की मदद से 74 रन बनाकर आउट हुए. अभिषेक ने 29 गेंदों में 57 रन बनाए. उनकी पारी में 11 चौके और एक छक्का शामिल रहा. जब अभिषेक आउट हुए तो हैदराबाद का स्कोर 12.1 ओवर में 166/3 था.

वैभव का शतक गया बेकार

पहले बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान रॉयल्स को 200 रन के पार पहुंचाने में वैभव सूर्यवंशी का अहम रोल रहा. उन्होंने सिर्फ 36 गेंदों में शतक जड़ते हुए 103 रन की आतिशी पारी खेली. यशस्वी जायसवाल (10 रन) के सस्ते में आउट होने के बाद ध्रुव जुरेल और वैभव सूर्यवंशी ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए दूसरे विकेट के लिए 62 गेंदों में 112 रन जोड़े. जुरेल ने 35 गेंदों में 51 रनों की शानदार पारी खेली. वहीं, वैभव ने ताबड़तोड़ अंदाज में खेलते हुए अपने आईपीएल करियर का दूसरा शतक पूरा किया. वैभव ने 37 गेंदों में 103 रन बनाए. उनकी पारी में 5 चौके और 12 छक्के शामिल रहे. रियान पराग 7 रन ही बना सके, जबकि डोनोवन फेरेरा ने 16 गेंदों में 33 रन बनाए. शिमरन हेटमायर 10 गेंदों में 11 रन बनाकर प्रफुल्ल हिंगे का शिकार बने. जडेजा 4 और आर्चर 2 रन बनाकर नाबाद रहे. गेंदबाजी में एसआरएच की ओर से ईशान मलिंगा ने सर्वाधिक 2 विकेट चटकाए, जबकि प्रफुल्ल, कमिंस और नीतीश ने एक-एक विकेट अपने नाम किया.

नीतीश-क्लासेन ने कराई जीत की दहलीज पार

अभिषेक-ईशान के आउट होने से हैदराबाद के रनों की रफ्तार धीमी जरूर हुई, लेकिन हेनरिक क्लासेन और नीतीश रेड्डी ने टीम को जीत की दहलीज पार करा दी. क्लासेन 29 रन बनाकर आउट हुए, जबकि रेड्डी ने 18 गेंदों में 200 के स्ट्राइक रेट से 36 रन बनाए. इस दौरान उनके बल्ले से दो चौके और तीन छक्के भी निकले. सलिल अरोड़ा 8 रन और अनिकेत वर्मा एक रन बनाकर नाबाद लौटे. राजस्थान के लिए जोफ्रा आर्चर और बृजेश शर्मा ने दो-दो विकेट जरूर चटकाए, लेकिन हैदराबाद को मैच जीतने से नहीं रोक सके.

पंजाब ने दिल्ली को हराया, आईपीएल का सबसे बड़ा टारगेट किया चेज , राहुल के शतक पर फेरा पानी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

पंजाब किंग्स ने आईपीएल 2026 के 35वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स पर ऐतिहासिक जीत दर्ज की। दिल्ली के दिए 265 रन के टारगेट को पंजाब ने 18.5 ओवर में 6 विकेट खोकर हासिल कर लिया। यह आईपीएल के इतिहास का सबसे बड़ा रन चेज है। वहीं इस सीजन में यह पंजाब की 6वीं जीत है। सात मैचों में 6 जीत और 1 ड्रॉ के साथ उसके 13 नंबर हो गए हैं और वह पॉइंट्स टेबल में नंबर वन की पोजिशन पर है।

प्रभसिमरन और कप्तान श्रेयस अय्यर की फिफ्टी

265 रन के बड़े टारगेट का पीछा करने उतरी दिल्ली को प्रभसिमरन और प्रियांश आर्या ने धमाकेदार शुरुआत दी। दोनों ने पहले विकेट के लिए महज 6.5 ओवर में 126 रन जोड़ दिए। उनकी इसी पार्टनरशिप ने पंजाब की जीत की नींव रखी। प्रियांश आर्या ने 17 गेंदों पर 43 जबकि प्रभसिमरन ने 26 गेंदों पर 76 रन बनाए। इन दोनों के आउट होने के बाद कप्तान श्रेयस अय्यर ने संभलकर बैटिंग की। उन्होंने पहले नेहल बढेरा और फिर शशांक सिंह के साथ अहम साझेदारियां कर पंजाब को जीत दिलाई। अय्यर ने 36 गेंदों पर 71 रन बनाकर नाबाद रहे। दिल्ली की ओर से कुलदीप यादव ने 2 विकेट लिए। उनके अलावा कप्तान अक्षर पटेल और विप्रज निगम को 1-1 सफलता मिली।

राहुल ने लगाया तूफानी शतक

मैच में टॉस जीतकर दिल्ली के कप्तान अक्षर पटेल ने बल्लेबाजी करने का फैसला किया। टीम ने केएल राहुल की नाबाद 152 और नितीश राणा की 91 रन की पारी की बदौलत 20 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 264 रन बनाए। केएल राहुल ने अपनी इस शानदार पारी की बदौलत कई रिकॉर्ड अपने नाम किए।

स्लैपगेट विवाद पर श्रीसंत का पलटवार... हरभजन सिंह पर लगाया पैसे कमाने का आरोप, बोले- सब दिखावा है

नई दिल्ली ■ एजेंसी

साल 2008 के कुख्यात स्लैपगेट विवाद का भूत एक बार फिर इंडियन प्रीमियर लीग का पीछा कर रहा है। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज एस श्रीसंत ने अपने पुराने साथी और दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह पर गंभीर आरोप लगाए हैं। श्रीसंत ने दावा किया है कि हरभजन ने उस घटना से व्यावसायिक लाभ उठाया, जिसने टूर्नामेंट के पहले सीजन को बड़े विवादों में डाल दिया था।

करीब दो दशक बाद, स्लैपगेट घटना के बाद श्रीसंत ने हाल ही में एक विज्ञापन को लेकर हरभजन सिंह की सार्वजनिक रूप से आलोचना की है, जिसमें उनके पुराने विवाद का जिक्र किया गया था। पूर्व

तेज गेंदबाज ने कहा कि समय के साथ उनके बीच का तनाव कम हो गया था, लेकिन उस घटना को व्यावसायिक रूप में बदलने के हरभजन के फैसले ने उनकी सोच पूरी तरह बदल दी है। यह विवाद 2008 में आईपीएल के पहले सीजन के दौरान किंग्स इलेवन पंजाब (अब पंजाब किंग्स) और मुंबई इंडियंस के बीच एक मैच के बाद हुआ था, जब हरभजन ने श्रीसंत को थप्पड़ मार दिया था।

डिफेंडिंग चैंपियन अल्काराज फ्रेंच ओपन से हटेःकलाई में चोट, रोम मास्टर्स से भी बाहर

नई दिल्ली ■ एजेंसी

टेनिस स्टार और वर्ल्ड नंबर-2 कार्लोस अल्काराज इस साल फ्रेंच ओपन में नजर नहीं आएंगे। दो बार के मौजूदा चैंपियन अल्काराज ने कलाई की चोट से उबरने के लिए हटने का फैसला किया है। वे रोम मास्टर्स में भी हिस्सा नहीं लेंगे। फ्रेंच ओपन 18 मई से होना है। 22 साल के स्पेनिश खिलाड़ी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म %एक्स% पर जानकारी दी। अल्काराज ने बताया कि टीम ने तय किया कि पूरी तरह फिट हुए बिना वापसी जोखिम भरी हो सकती है, इसलिए रिकवरी पर ध्यान जरूरी है।

बार्सिलोना ओपन के दौरान लगी थी चोट

अल्काराज को इसी महीने बार्सिलोना ओपन के पहले दौर में कलाई में चोट लगी थी। ओटो विर्टानन के खिलाफ मैच जीतने के बाद दर्द बढ़ने पर उन्होंने टूर्नामेंट छोड़ दिया था। 17 अप्रैल को उन्होंने मैड्रिड मास्टर्स से भी नाम वापस ले लिया था, तभी से फ्रेंच ओपन खेलने पर सस्पेंस था। शुक्रवार के मेडिकल टेस्ट के बाद उन्होंने पेरिस न जाने की पुष्टि कर दी। अल्काराज ने पोस्ट में लिखा, %हमने तय किया है कि सबसे समझदारी वाला काम सावधानी बरतना है। रोम या रोलां गैरो में हिस्सा न लेना एक कठिन फैसला है, लेकिन मुझे यकीन है कि मैं इस चोट से उबरकर और मजबूती से वापसी करूंगा। अल्काराज अब मेडिकल टीम की देखरेख में रिहैब करेंगे और रिकवरी की प्रोग्रेस देखने के बाद ही तय करेंगे कि वे किस टूर्नामेंट से वापसी करेंगे।अल्काराज के लिए यह साल शानदार रहा है।

अभिषेक शर्मा की वृंदावन में चप्पल चोरी, भड़के भारतीय बल्लेबाज

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग में अपनी तूफानी बल्लेबाजी से गेंदबाजों के छक्के छुड़ा रहे सनराइजर्स हैदराबाद के युवा ओपनर अभिषेक शर्मा के साथ वृंदावन में एक अजीबोगरीब घटना हो गई। अपनी मां के साथ बांके बिहारी मंदिर दर्शन करने गए अभिषेक की चप्पलें मंदिर परिसर से गायब हो गईं, जिससे वह काफी नाराज और परेशान नजर आए। यह घटना एक प्रशंसक द्वारा बनाए गए वीडियो के माध्यम से सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गई है, हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि यह वीडियो इसी आईपीएल सीजन का है या पहले का। जानकारी के अनुसार, अभिषेक शर्मा अपनी मां के साथ भगवान बांके बिहारी जी के दर्शन करने पहुंचे थे। जब वह पूजा-अर्चना के बाद मंदिर से बाहर निकले, तो जहां उन्होंने अपनी चप्पलें उतारी थीं, वे वहां नहीं मिलीं।

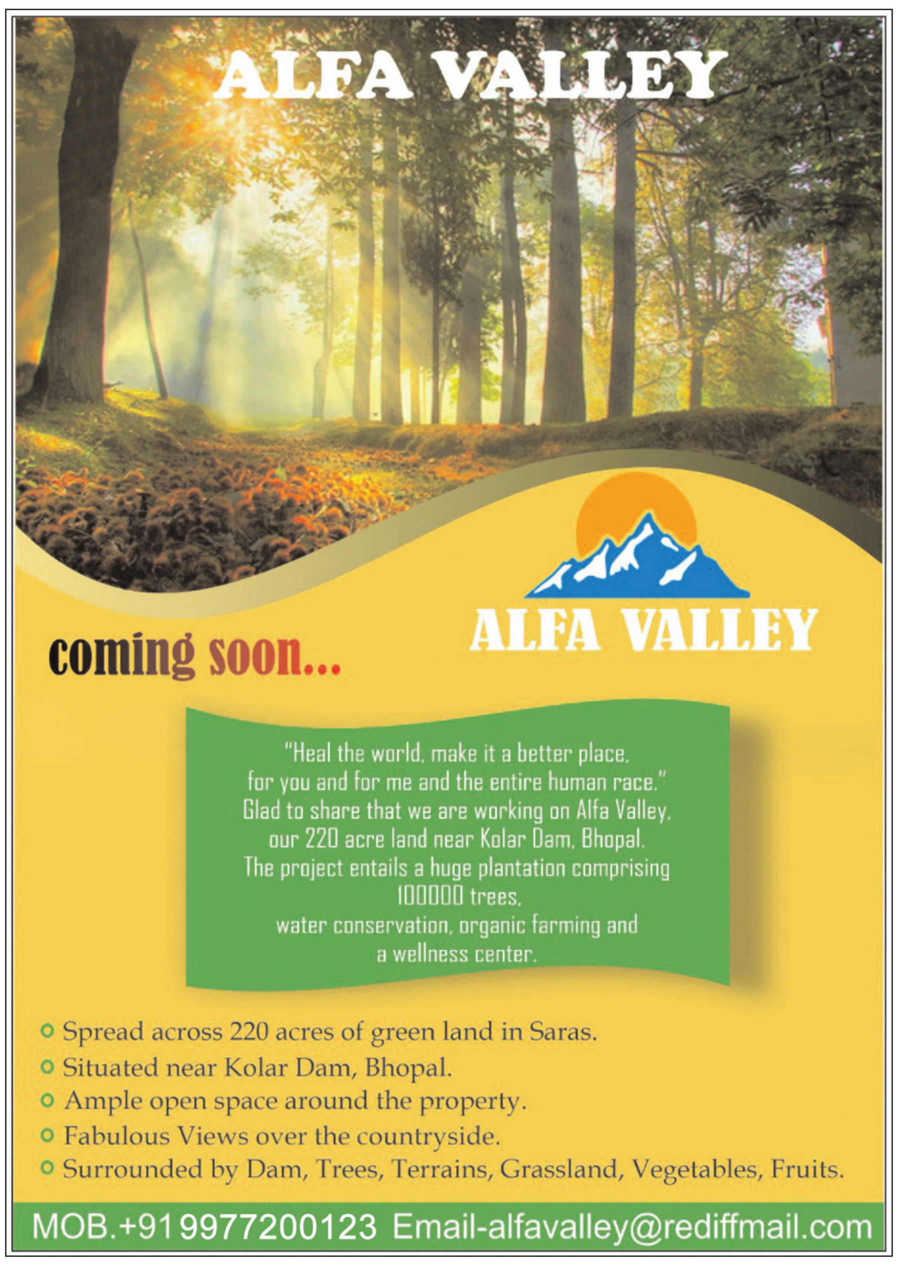

प्रकाशक एवं मुद्रक **विष्णु गोयल** द्वारा स्वामी शिवा पब्लिकेशन के लिए 1-ए, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स एबी रोड, इंदौर, मध्यप्रदेश से प्रकाशित एवं पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विस प्रा.लि. रिलायंस पेट्रोल पम्प के पीछे, सेंटर पाइंट, मांगलिया बायपास, इंदौर, मध्यप्रदेश से मुद्रित। Epaper_www.globalherald.news
प्रधान संपादक -**विष्णु गोयल,** सलाहकार संपादक- **डॉ.शिशिर उपाध्याय,** प्रदेश संपादक- **दिलीप शर्मा,** स्थानीय संपादक **सत्येन्द्र जैन***(*समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार)। मोबाइल नं.:-7999509078, आर.एन.आई. नं. MPHIN/2012/41876, email- editor@nationalherald.org/globalheraldeditor@gmail.com